राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 20 फरवरी 2024 वर्ष-7, अंक-28 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जातीय जनगणना के बहाने झारखंड में आरक्षण बढ़ाने का दांव!

रांची (एजेंसी)। चुनाव में बाजी मारने के लिए झारखंड की जेएमएम के नेतृत्व वाली महागठबंधन की सरकार तमाम तरह के उपाय कर रही है। स्थानीयता और नियोजन नीति बनाने का बिल सरकार ने विधानसभा से तभी पारित करा लिया था, जब हेमंत सोरेन सीएम थे। हालांकि अलग-अलग कारणों से दोनों बिल अमल में नहीं आ पाए। हेमंत सोरेन की सरकार ने 11 नवंबर 2022 को आरक्षण बिल विधानसभा से पास कराया था। विधानसभा से

पारित ओबीसी आरक्षण को राज्यपाल ने कई आपत्तियों के साथ लौटा दिया था। राज्यपाल की मंजूरी मिल जाती तो ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 से बढ़ कर 27 फीसदी हो जाती। एसटी आरक्षण भी 26 की जगह बढ़ा कर 28 प्रतिशत कर दिया गया था। एससी को 10 के बजाय 12 प्रतिशत आरक्षण मिलता। ईडब्लूएस के लिए आरक्षण सीमा 10 प्रतिशत पहले से ही लागू थी। यानी हेमंत सरकार ने 77 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान बिल में किया था। मनी लांड्रिंग मामले में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद झारखंड में बनी चंपई सोरेन की सरकार ने एक नया दांव चल दिया है। बिहार की तर्ज पर अब झारखंड में भी जाति गणना कराने की उन्होंने तैयारी कर ली है। इसके लिए सीएम ने कार्मिक विभाग को काम आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। दरअसल 2024 में लोकसभा के बाद विधानसभा के चुनाव भी झारखंड में होने हैं।

गोवा में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति लगाने पर हंगामा

पणजी (एजेंसी)। गोवा के मरगाव के साओ जोस डी एरियल गांव में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने पर हंगामा हो गया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने पथराव कर दिया, जिसमें मूर्ति का अनावरण करने आए राज्य के समाज कल्याण मंत्री सुभाष पहल देसाई घायल हो गए। हालांकि उन्हें मामूली चोटें

आई हैं। मराठा सम्राट की सोमवार 19 फरवरी को 394वीं जयंती है। इसे मनाने के लिए देशभर में आयोजन हो रहे हैं। रविवार (18 फरवरी) को साओ जोस डी एरियल में भी शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाई गई। विरोध बढ़ने पर यहां बड़ी तादाद में पुलिस तैनात की गई है। मंत्री सुभाष ने कहा है कि गांव और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द्र बना रहे, इसलिए वह पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराएंगे।

यूपी के संभल में पीएम ने किया कल्किधाम का शिलान्यास

- कहा-अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, अंतरिक्ष में भी भारत ने झंडे गाड़े, अब हम फॉलो नहीं कर रहे, एग्जाम्पल सेट कर रहे हैं

बोले-आज सुदामा कृष्ण को पोटली में कुछ देते तो उन पर भी भ्रष्टाचार का केस हो जाता

संभल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 फरवरी संभल के दौरे पर थे। यहां उन्होंने कल्किधाम मंदिर का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ और कल्किधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष भी मौजूद रहे। मोदी ने कल्किधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद कृष्णम की कई बार तारीफ की। अयोध्या के राम मंदिर, यूएई के मंदिर, भारत की दुनिया में बढ़ती साख और सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया।

प्रमोद कृष्णम ने पीएम से कहा कि आपको भावनाओं के अलावा क्या दे सकता हूं। इस पर मोदी ने कहा कि अच्छा है कि आपने भावनाएं दीं। अगर आज के दौर में सुदामा भगवान कृष्ण को पोटली देते तो इसका वीडियो बन जाता, इस पर पीआईएल लग जाती और भ्रष्टाचार का केस हो जाता। संभल में

कल्किधाम का निर्माण कांग्रेस से हाल ही निष्कासित हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम करवा रहे हैं। प्रमोद कृष्णम ने पीएम की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी गैरों को अपना बनाने का काम कर रहे हैं। कुछ ऐसे अभागे नेता हैं, जो अपनों को भी गैर बनाने का काम कर रहे हैं। रविवार (18 फरवरी) को मोदी ने अपने एक्स पर कल्किधाम शिलान्यास का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा-संभल में श्री कल्किधाम देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री महिला हैं, उन्हें हमारी आवाज उठानी चाहिए

संदेशखाली की महिलाएं बोलीं-यहां रहना बेहद खतरनाक

सीएम कर रहीं भेदभाव, हमलावरों की आवाज उठा रहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का संदेशखाली मामला तूल पकड़ता जा रहा है। यहां महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख और उसके समर्थकों पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे। अब कुछ महिलाओं ने मीडिया से कहा- यहां रहना खतरनाक है। राज्य की मुख्यमंत्री महिला हैं, उन्हें हमारी आवाज उठानी चाहिए, लेकिन वे हमलावरों की आवाज उठा रही हैं। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा सोमवार 19 फरवरी को संदेशखाली पहुंचीं। उन्होंने कहा- पिछले हफ्ते ही आयोग के दो लोग इस इलाके का दौरा करने आए थे। उन्होंने बंगाल सरकार और कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों की लापरवाही को लेकर एक रिपोर्ट दाखिल की थी। हम विक्टिम महिलाओं से मिलना चाहते हैं। रेखा ने ये भी कहा कि हम पश्चिम बंगाल के गवर्नर से मुलाकात करेंगे और कल दिल्ली में राष्ट्रपति से मिलेंगे। अगर राज्य में रेप या महिलाओं से उत्पीड़न का एक भी मामला हुआ है तो ये शर्मनाक है। राज्य सरकार, प्रशासन को केंद्रीय एजेंसियों की मदद करने की अनुमति नहीं दे रही है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल

घोष ने कहा कि आयोग का दौरा राजनीति से प्रेरित है। आयोग बंगाल तो बहुत जल्दी आ जाता है, लेकिन भाजपा शासित राज्यों में जाने में कभी ऐसी फुर्ती नहीं दिखाता। संदेशखाली की एक महिला ने कहा- ममता बनर्जी के बारे में क्या कहूं।

प्रोटेस्ट केस

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ कार्यवाही पर रोक

- **सुप्रीम कोर्ट ने सीएम से पूछा-नेता को प्रदर्शन की इजाजत मिले, आम आदमी को नहीं?**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले पर भी रोक लगा दी, जिसमें सिद्धारमैया, कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला और अन्य नेताओं को 10 हजार रुपए जुर्माना भरने और 26 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धारमैया से यह सवाल किया कि एक राजनेता प्रोटेस्ट करे तो उसे इजाजत दी जानी चाहिए और आम आदमी विरोध करे तो उसे ऐसा ना करने दिया जाए। सिद्धारमैया के खिलाफ यह केस 2022 में दर्ज किया गया था। तब सिद्धारमैया तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के आवास के बाहर धरना देने पहुंचे थे। सिद्धारमैया ने तब के ग्रामीण विकास मंत्री के ईश्वरप्पा के इस्तीफे की मांग को लेकर बसवराज के घर का घेराव किया था। पुलिस ने सिद्धारमैया और दूसरे नेताओं के खिलाफ सड़क ब्लॉक करने और आम लोगों को तकलीफ पहुंचाने का क्रिमिनल केस दर्ज किया था। सिद्धारमैया की दलीलः जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच के सामने सिद्धारमैया की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने पैरवी की।

केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर राहुल का बड़ा हमला, कहा

प्रधानमंत्री मोदी केवल भाषण देते हैं उनके पास बैठे 90 लोग देश चला रहे

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर प्रतापगढ़ पहुंचे। खुली जीप में सवार राहुल गांधी के ऊपर उनके समर्थकों ने फूल बरसाए। राहुल के साथ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी, अजय राय, मोना मिश्रा वगैरह भी शामिल थे। राहुल ने जनता को संबोधित करते हुए मौजूदा बीजेपी सरकार, खासकर पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, देश में 50 पर्सेंट ओबीसी और 15 पर्सेंट दलित रहते हैं। वहीं आदिवासियों की संख्या 8 पर्सेंट है। मोदी सरकार इन सभी लोगों को शोषण कर रही है। राहुल ने नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा, जब मोदी पैदा हुए

थे तो वह जनरल कैटिगरी में थे। साल 2000 में उनकी जाति को ओबीसी में डाला गया। लेकिन आपको यह जानकारी मीडिया में कोई नहीं देगा। राहुल ने आगे कहा कि पीएम मोदी को बजट की कोई जानकारी नहीं है।

मैं शिवभक्त हूं लेकिन काशी विश्वनाथ मंदिर में मोबाइल नहीं ले जाने दिया

राहुल गांधी लालगंज में 40 मिनट रहे और लालरंग की खुली जीप से 32 मिनट भाषण दिया। इस दौरान राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान के यूपी में अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि मैं काशी मंदिर गया, मैं शिव को मानता हूं लेकिन पुलिसवालों ने सारे मोबाइल फोन रखवा लिए। एक भी फोन अंदर नहीं जाने दिया। वो नहीं चाहते कि राहुल की एक भी फोटो शिव मंदिर की दिखे। नेटवर्क डाउन कर दिया गया ताकि कोई वीडियो वायरल न हो सके। राहुल ने कहा कि ये मेरा भाषण मीडिया में नहीं दिखेगा। देश मे बीजेपी और आरएसएस देश मे नफरत फैला रही है।

मालदीव में चीन की धमक से टेंशन में आया अमेरिका

- **मुइज्जू की सेना के लिए किया बड़ा ऐलान, भारत के लिए खतरा**

माले (एजेंसी)। भारत संग चल रहे तनाव और चीन के साथ बढ़ रही मालदीव की दोस्ती के बीच अब अमेरिका भी ऐक्शन में आ गया है। अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू पिछले दिनों मालदीव के दौरे पर पहुंचे थे। इस बीच डोनाल्ड लू ने मालदीव की सेना के लिए 4 गश्ती समुद्री जहाज और एक प्लेन देने का ऐलान किया है। लू ने अमेरिका के शांति संस्थान के एक कार्यक्रम में शुक्रवार को यह बात कही। लू ने कहा कि भले ही देखने में छोटा देश है लेकिन अगर रक्षा जरूरतों को देखें तो उसे बहुत ज्यादा आवश्यकता है।

अमेरिका ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब कहा जा रहा है कि चीन एक जासूसी केंद्र मालदीव के एक द्वीप पर बनाने की योजना बना रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर चीन ऐसा करने में सफल होता है तो वह भारत ही नहीं

अमेरिका के युद्धपोतों की आसानी से निगरानी कर सकेगा जो डियागो गार्सिया नेवल बेस तक अक्सर जाते रहते हैं। डियागो गार्सिया एक ब्रिटिश स्वामित्व वाला द्वीप है जिस पर अमेरिका ने नौसैनिक अड्डा बना रखा है। डियागो गार्सिया मालदीव से कुछ सौ समुद्री मील की दूरी पर है और हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। इसी नेवल बेस के जरिए अमेरिका चीन पर कड़ी नजर रखता है। यही नहीं अमेरिका यहां पर परमाणु पनडुब्बी तथा परमाणु बॉम्बर तक तैनात करता रहता है।

आदित्य का दावा-

उद्धव के कंधे पर रोए थे शिंदे

- **भाजपा से बचाने की गुजारिश की थी; महीने भर बाद उनके समर्थन से सीएम बन गए**

ठाणे (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे के कंधे पर सिर रखकर रोए

थे। आदित्य ने कहा कि शिंदे 22 मई 2022 को मातोश्री आए थे। उन्होंने उद्धव से कहा था कि भाजपा उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेज देगी। वे उन्हें भाजपा से बचा लें। आदित्य ने कहा कि महीनेभर बाद ही शिंदे भाजपा के साथ मिल गए और सीएम बन गए। आज उनके पास सब कुछ है, लेकिन फिर भी वे रोते रहते हैं। दरअसल, शिंदे 17 फरवरी को कोल्हापुर में शिवसेना के अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने रोते हुए कहा कि एक पिता-पति के रूप में वे फेल रहे। मैं जब घर जाता था, तो बच्चे सो चुके होते थे। मैं अपने बेटे से हर महीने नहीं मिल पाता था। शिंदे का ये बयान उनके बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे के बयान के बाद आया था। श्रीकांत ने कहा था- मेरे पिता काम में इतने व्यस्त रहते थे कि उनके पास परिवार के लिए कभी समय नहीं रहा। मैं मां से शिकायत करता था कि पापा मुझे समय नहीं देते।

श्रीकांत कल्याण लोकसभा सीट से शिवसेना के सांसद हैं। सांसद रहते उन्होंने ऑर्थोपेडिक्स से पोस्ट ग्रेजुएट किया और डॉक्टर बने। बेटे की बातों पर शिंदे ने कहा- श्रीकांत के पास हमसे जुड़ी कोई यादें नहीं हैं।

यूपी में स्वामी प्रसाद मौर्य ने किया नई पार्टी का ऐलान

आरएसएसपी पार्टी का झंडा लांच किया, अखिलेश बोले-हर कोई लाभ लेने आते हैं, मौके पर कौन टिकता है

लखनऊ (एजेंसी)। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने नई पार्टी का ऐलान किया है। उनकी पार्टी का नाम राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी है। सोमवार को मौर्य ने पार्टी का झंडा लांच किया। नीला, लाल और हरे रंग की पट्टी वाले इस झंडे में बीच में आरएसएसपी लिखा हुआ है। स्वामी प्रसाद ने 13 फरवरी को सपा के महासचिव पद से इस्तीफा दिया था। 7 दिन बाद ही उन्होंने पार्टी का ऐलान कर दिया। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) साहेब सिंह धनगर की है। मौर्य ने इसे री-लॉन्च किया है। इधर, लखनऊ में अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य और हाल के दिनों में हो रहे इस्तीफों पर कहा, लाभ लेने के लिए हर कोई आता है लेकिन मौके पर कौन टिकता है। वहीं, राहुल की यात्रा पर अखिलेश ने कहा कि जब तक सीट शेयरिंग नहीं यात्रा में शामिल नहीं होंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने 2022 विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जनवरी में भाजपा छोड़कर सपा जॉइन की थी। वह पहली योगी सरकार में मंत्री थे। मौर्य मंत्री पद से इस्तीफा देकर सपा में आए थे। मौर्य इससे पहले बसपा में भी अहम पदों पर रह चुके हैं।

कमलनाथ और नकुलनाथ के बीजेपी में जाने पर लगा ब्रेक

कमलनाथ बोले-भाजपा में नहीं जा रहा, दिल्ली में बंगले पर की बैठक

पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा बोले-छिंदवाड़ा में कांग्रेस से चुनाव लड़ेंगे नकुल

भोपाल (एजेंसी)। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके बेटे सांसद नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर सोमवार दोपहर में ब्रेक लग गया। सोमवार को कमलनाथ के साथ बैठक के बाद पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने कहा- कमलनाथ जी कह रहे हैं कि कोई कहीं नहीं जाने वाला। जिन लोगों ने कांग्रेस को वट वृक्ष बनाया है, वो कैसे छोड़ सकते हैं।

कमलनाथ के करीबियों ने बताया कि उन्होंने मीडिया से बात करने के लिए पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को अधिकृत किया है। सज्जन वर्मा ने कहा कि कमलनाथ की राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात हुई है। छिंदवाड़ा से कांग्रेस के टिकट पर नकुलनाथ चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले उन्होंने अपने बंगले पर बैठक की, जिसमें मध्य प्रदेश के विधायक, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। दिल्ली में कमलनाथ के बंगले पर कल से लगा हुआ जय

श्री राम का झंडा आज सुबह हटा दिया गया था, लेकिन दोपहर में फिर लगा दिया गया। कांग्रेस सांसद राजमणि पटेल ने कहा- कमलनाथ लंबे समय से देश में नफरत फैलाने वाली सोच के खिलाफ लड़ रहे हैं।

संपादकीय

नॉटी बॉय कामयाब

मौसम विज्ञान के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत बनाने की दिशा में भारतीय अंतरिक्ष संस्थान इसरो ने नई कामयाबी हासिल की है। शनिवार की शाम श्रीहरिकोटा से तीन चरण वाले जीएसएलवी ने उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद इन्सैट-3डीएस को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में तैनात कर दिया। यह ऑर्बिट या कक्षा पृथ्वी से 35,786 किलोमीटर ऊपर स्थित है। इस ऊंचाई पर एक सैटेलाइट या उपग्रह उतने ही समय में एक कक्षा पूरी करता है, जितने समय में हमारा ग्रह अपनी धुरी पर एक चक्कर लगाता है, यह पृथ्वी के एक दिन के समान है। यह दूरसंचार और मौसम उपग्रहों के लिए एक लोकप्रिय कक्षा है, जहां से लगभग स्थिर भाव से उपग्रह अपने लक्ष्य पर निगाह बनाए रख सकता है। यह मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी के लिए उन्नत मौसम संबंधी अवलोकन और भूमि व महासागरों की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। मौसम विज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें भारत को तेज तरक्की करने की जरूरत है, क्योंकि अपनी विविध भौगोलिक स्थिति की वजह से यह अनगिनत प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है। सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने की जिम्मेदारी जिस विमानन वाहन पर थी, उसे नॉटी बॉय कहा जा रहा है। इसरो के एक दिग्गज वैज्ञानिक ने लॉन्चिंग की सफलता के बाद खुशी से कहा है कि शरारती लड़का अब आज्ञाकारी हो गया है। दरअसल, इस लॉन्चिंग रॉकेट को पुख्ता करने में बहुत समस्या आ रही थी। इसी वजह से इसे शरारती लड़का या नॉटी बॉय कहा गया। अगर भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने इस शरारती लड़के को अनुशासित बना दिया है, तो यह अपने आप में बड़ी कामयाबी है। तरह-तरह के उपग्रह विकसित कर लेने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण है, उपग्रहों को उचित कक्षाओं में स्थापित करने की क्षमता हासिल करना। वास्तव में, इस समग्र लॉन्चिंग वाहन से यह 16वां प्रक्षेपण था और इसका सफल होना बहुत जरूरी था। मौसम संबंधी उपग्रहों में लगातार विकास हो रहा है और नए-नए उपग्रहों को कक्षाओं में स्थापित करना जरूरी है, ताकि सही भविष्यवाणियों की स्थिति बनी रहे। इसरो के लिए यह बहुत अच्छा समय है। विगत महीनों में इसरो ने कुछ बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उदाहरण के लिए, अगस्त 2023 में देश अपने चंद्रयान-3 लैंडर-रोवर मिशन के साथ चंद्रमा-लैंडिंग क्लब में शामिल हो गया। इसके बाद भारत ने आदित्य-एल1 को भी लॉन्च किया है। इसी वर्ष 1 जनवरी को देश ने ब्लैक-होल का अध्ययन करने वाले एक्स-रे पोलारिमीटर उपग्रह को लॉन्च किया है। कोई शक नहीं है कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान ने एक लंबा सफर तय कर लिया है, दो साल बाद भारत के पहले उपग्रह आर्यभट्ट को पचास साल हो जाएंगे। 19 अप्रैल, 1975 को रूस ने भारत के आर्यभट्ट को कक्षा में स्थापित किया था। उसके बाद से भारत इस यात्रा में दुनिया के अनेक देशों से आगे निकल गया है। भारत अभी तक 130 से ज्यादा उपग्रह लॉन्च कर चुका है। वह दूसरे देशों की मदद में भी आगे है। मौसम विज्ञान की बात करें, तो साल 2002 में सफलता के साथ लॉन्च हुआ कल्पना-1 भारत का पहला मौसम संबंधी उपग्रह था। आज इसरो इस स्थिति में पहुंच गया है कि नासा आगे बढ़कर उसके साथ अभियान पर काम कर रहा है। संदेश स्पष्ट है कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान का भविष्य उज्ज्वल है।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

मस्तिष्क तकनीक से जुड़े मानवाधिकार के प्रश्न

दिनेश सी. शर्मा

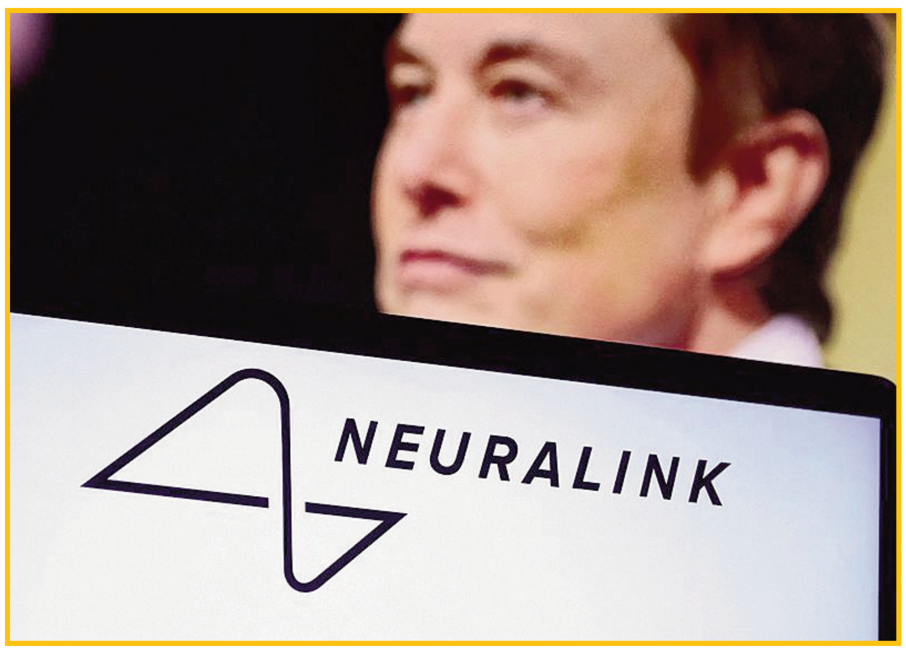

तकनीक विशेषज्ञ और खरबपति इलॉन मस्क ने अपने अलमस्त अंदाज़ में 29 जनवरी को एक्स एप पर चौंकाने वाली घोषणा कर डाली। यह पहले से जानी-पहचानी परियोजना टेस्ला या हाइपरलूप की बाबत न होकर कम मशहूर स्टार्टअप न्यूरालिंक पर थी, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। इस कंपनी ने दिमाग के अंदर (इनवेसिव) डिवाइस डालकर गतिविधियां पढ़ने वाली चिप का मनुष्यों पर परीक्षण शुरू कर दिया है। वैसे अमेरिका और अन्य देशों में दशकों से अनेकानेक अनुसंधान समूह इम्प्लांटेबल ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस डिवाइसेस पर काम करते आए हैं और कइयों का परीक्षण भी हुआ है। लेकिन न्यूरालिंक के दावे के मुताबिक उनके इस प्रयोग में किसी मनुष्य के न्यूरॉन से पहली बार सूचना रिकॉर्ड की गई है। इस चिप में अति सूक्ष्म पॉलीमर तंतु हैं, जो दिमाग के अंदर 1024 बिंदुओं से गतिविधियां दर्ज कर सकते हैं। किसी अन्य समूह अथवा कंपनी द्वारा इतनी बड़ी बैंडविड्थ से ब्रेन-कंप्यूटर कम्युनिकेशन का उपयोग करने का दावा अब तक नहीं किया गया। हो सकता है मस्क की यह घोषणा नाटकीय लगे लेकिन न्यूरालिंक पिछले कई सालों से इस तकनीक पर काम कर रही है। जुलाई, 2019 में कैलिफोर्निया एकेडमी ऑफ साइंस के एक बंद कमरे में हुई बैठक में प्रयोग संबंधी कुछ तफ्सील को साझा किया गया था। यह डाटा अनुसंधानकर्ताओं द्वारा चूहे के दिमाग में स्थापित किए गए अत्यंत सूक्ष्म इलेक्ट्रॉड्स माध्यम से प्राप्त किया गया था। मस्क ने बताया था कि बंदरों के दिमाग में भी डिवाइस डाली गई, जिसने उनके मस्तिष्क को नियंत्रण करना संभव कर दिखाया। इस तकनीक में पॉलीमर तंतु हैं जो दिमाग के न्यूरॉन के इलेक्ट्रिकल सिग्नल को ग्रहण कर कान के पीछे लगी वायरलेस डिवाइस को प्रेषित कर देते हैं। दिमाग में सर्जिकल रोबो की मदद से भी चिप डाली जा सकती है। मस्क के मुताबिक यह तकनीक रीढ़ की हड्डी में चोट से लकवाग्रस्त हुए लोगों की मददगार हो सकती है। उन्होंने यह दावा भी किया कि चिप से अवसाद और व्यक्ति में एलज़ाइमर इत्यादि को भी ठीक किया जा सकता है। न्यूरालिंक और अन्य अनुसंधानकर्ता जैसे कि ब्लैकरॉक न्यूराटेक और सिन्क्रोन समूह तरक्की कर रहे इस स्टार्टअप क्षेत्र का हिस्सा है, जिसे न्यूराटेक (फिनटेक, एजूटेक, एग्रीटेक की तर्ज पर) नाम दिया गया है। न्यूराटेक का उद्देश्य इंसान के दिमाग की अवस्था का विनियमन करना है। न्यूराटेक की दो धाराएं हैं : नॉन इनवेसिव और इनवेसिव तकनीक। नॉन इनवेसिव में खोपड़ी की सतह पर इलेक्ट्राड्स और अन्य डिवाइस लगाकर दिमाग की गतिविधि को पढ़ा जाता है और काफी समय से यह विधा उपयोग हो रही है। अनेकानेक न्यूराटेक उत्पाद पहले ही प्रचलित हैं जैसे कि ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम) उपकरण जो दिमाग की गतिविधि में सुधार लाने के लिए सिग्नल को दर्ज कर संबंधित डाटा एवं ट्रांसक्रेनियल स्टिमुलेशन कॉन्ट्रैशन मुहैया करवाता है। इसका उपयोग करके दिमाग की गतिविधि में सुधार लाया जाता है। उदाहरणार्थ, सिडनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने ऐसा सिस्टम बनाया है जो दिमाग में इम्प्लांट किए बगैर शांत विचारों को पढ़कर उन्हें लिखित रूप में दर्ज कर सकता है। इस विधि में खोपड़ी की सतह से ही मस्तिष्क की इलेक्ट्रिकल गतिविधि को ईईजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एलॉरिद्म की मदद से बड़ी मात्रा में इकट्ठा हुए सिग्नल को बांचकर, उनका अनुवाद शब्दों और वाक्यों के रूप में किया जाता है। इसे ब्रेन-जीपीटी का नाम दिया गया है। न्यूरालिंक सरीखी कंपनियां इनवेसिव तकनीकों पर काम कर रही हैं, जिनमें खोपड़ी की सतह, दिमाग के भीतर और शरीर के अन्य अंगों पर इम्प्लांट स्थापित करना शामिल है। पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर श्रिया सेन ने वाई-आर नामक तकनीक ईजाद की है, जो शरीर के अंदर ऐसा इंटरनेट स्थापित कर सकती है, जिसका उपयोग करके शरीर के अंदर लगी और बाहर डिवाइस जैसे कि स्मार्टफोन, स्मार्टवाच और इंसुलिन पम्प इत्यादि एक-दूसरे से संपर्क बना सकते हैं। सेन ने ब्रेन इम्प्लांट को लेकर एक अन्य अवधारणा भी पेश की है, जिससे कि भविष्य में इंसान तकनीकी यंत्रों को महज विचारों के जरिए चला/नियंत्रित कर सकेगा। वाई-आर तकनीक ब्लूटुथ या अन्य रेडियो सिग्नल्स से कहीं कम फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल करके काम करती है। यह लो-फ्रीक्वेंसी सिग्नल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में इलेक्ट्रो-क्वासिस्टिक रेंज में आते हैं और मनुष्य की चमड़ी से गुजरकर प्रेषण कर सकते हैं। सेन और उनके शोधकर्ताओं ने आइनैक्सा नामक कंपनी बनाई है जो खोज को उत्पाद में ढालकर व्यापार करेगी, जो डिजिटल कम्युनिकेशन को माइंड कंट्रोल और ह्यूमन टच देना चाहते हैं।

ब्रेन इम्प्लांट 'किताबी कीड़ों' के लिए कोई क्लिष्ट उपकरण न होकर न्यूरोजिकल व्याधियों, रीढ़ की चोट इत्यादि से ग्रस्त लोगों के बहुत काम की संभावना रखता है। इस किस्म के इम्प्लांट की उपयोगिता मिरगी के पुराने रोगियों या रीढ़ की हड्डी की चोट से लकवाग्रस्त होकर अपाहिज हुए लोगों के लिए हो सकती है। एआई और इम्प्लांट की युगलबंदी विश्वभर में करोड़ों ऐसे लोगों को आशा की किरण दिखा रही है। न्यूराटेक के लिए भारत में भी बहुत मौका है, जहां बड़ी संख्या में न्यूरोलॉजिकल समस्या से ग्रस्त मरीज हैं। तथापि, न्यूराटेक पर नैतिकता और नियमन को लेकर बहुत से तकाजे अनुत्तरित हैं। इंसान के दिमाग के अंदर इम्प्लांट स्थापित करके जो क्लीनिकल ट्रायल न्यूराटेक ने शुरू किए हैं, उनके नियमन पर रहस्य कायम हैं। भले ही अमेरिका की फूड एंड ड्रग रेग्यूलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन ने परीक्षण अनुमति दे दी है परंतु न तो परीक्षणों की तफ्सील साझा करने वाली अनिवार्यता का पालन हुआ है न ही परीक्षणों का वैज्ञानिक मकसद मालूम है। विगत में मस्क की कंपनी द्वारा मनुष्यों पर परीक्षण करने की अनुमति को खारिज कर दिया गया था, इसलिए यह जानना आवश्यक है कि इस बार मंजूरी का आधार क्या है। अनेक नॉन-इनवेसिव उत्पाद जैसे कि माइग्रेन के इलाज के लिए इलेक्ट्रॉड्स का उपयोग होता आया है, इनकी दक्षता-निरापदता-गुणवत्ता के प्रमाण के प्रश्न बाकी हैं अतएव, नई मस्तिष्क तकनीकें नैतिकता और मानव अधिकार को लेकर चिंताएं पैदा करती हैं। इस क्षेत्र में अधिकांश खोजकार्य निजी कंपनियां द्वारा किया जा रहा है, जिनकी जवाबदेही अपने निवेशकों और शेयर धारकों के प्रति ही रहती है। इसलिए, जाहिर है कि जहां वे इनवेसिव तकनीक में निहित जोखिमों, उच्च कीमत, संक्रमण, दीर्घकालिक दुष्परिणाम, बैटरियों के ज्यादा गर्म होने इत्यादि प्रभावों को घटाकर बताएंगे तो सफलता का गुणगान बढ़ा-चढ़ाकर करेंगे।

कंपनी द्वारा तकनीक में भावी सुधारों के मद्देनज़र दिमाग में पहले से डाले जा चुके इम्प्लांट का क्या होगा या अगर कंपनी बंद हो जाए? क्या इस किस्म के उपकरण विशाल मात्रा में बनाए जाएंगे क्योंकि सबके दिमाग की अवस्था एक जैसी नहीं हो सकती। कुछ मामलों में, अमेरिका में, परीक्षण हेतु डाले गए इम्प्लांट निकालने पड़े क्योंकि उन्हें बनाने वाली नई कंपनियों का धंधा नहीं चल पाया। सबसे ऊपर है, मस्तिष्क उपकरणों का गैर-मेडिकल प्रयोजनों के लिए दुरुपयोग करने संबंधी चिंता। नियामक, नीति-निर्माता और नैतिकता के प्रहरियों को ऐसे जटिल मुद्दों का हल ढूंढ़ना होगा। नई तकनीक को लेकर अति-उत्साह में बहने की बजाय इसके तकनीकी पहलुओं पर लोगों के बीच जानकारी परिपूर्ण संवाद की जरूरत है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

अब भारत से ब्रेन ड्रेन को कम करने का समय आ गया है

लेखक- प्रहलाद सबनानी

अभी हाल ही में इजराईल ने हमास के साथ छिड़े युद्ध के बाद भारत से एक लाख कामगारों को इजराईल भेजने का आग्रह किया है क्योंकि लगभग इतनी ही संख्या में फिलिस्तीन के नागरिक इजराईल में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे थे। हालांकि, इजराईल द्वारा भारत से मांगे गए एक लाख कामगारों की संख्या में इंजीनियर भी शामिल हैं। इसी प्रकार ताईवान ने भी घोषणा की थी कि उसे लगभग एक लाख भारतीय इंजीनियरों की आवश्यकता है। इसके पूर्व जापान ने भी लगभग 2 वर्ष पूर्व घोषणा की थी कि वह 2 लाख भारतीय इंजीनियरों की भर्ती जापान में विभिन्न कम्पनियों में करेगा। एक अन्य समाचार के अनुसार, माक्रोसोफ्ट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सत्या नंडेला एवं गूगल के मुख्य कार्यपालन अधिकार श्री सुंदर पिचाई भी प्रयास कर रहे हैं कि इनकी कम्पनियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किस प्रकार भारतीय इंजीनियरों की भर्ती बढ़ाई जाए। अमेरिका एवं कनाडा आदि देशों में पहिले से ही लगातार कुछ वर्षों से इन देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में लाखों भारतीय इंजीनियरों की भर्ती जारी है। इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि भारत आज पूरे विश्व में इंजीनियरों की आपूर्ति का बहुत बड़ा केंद्र बन गया है अर्थात एक तरह से भारत पूरे विश्व के लिए इंजीनियर तैयार कर रहा है।

दूसरे, हाल ही में एक रोचक जानकारी सामने आई है कि रूस जैसे कुछ देशों की महिलाएं पति के रूप में भारतीय पुरुषों के प्रति आकर्षित हो रही हैं। क्योंकि, भारतीय पुरुष तलाक जैसी कुरीतियों से मीलों दूर दिखाई देते हैं। भारतीय पुरुष एक बार शादी के बाद पूरे जीवन भर अपनी पत्नी को सुखी जीवन प्रदान करते हैं। यह भारतीय सनातन संस्कृति का प्रभाव है। परंतु, विश्व के कई विकसित देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो चुका है। इन देशों में तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है एवं अमेरिका में तो लगभग 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं रहती है। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कुल मिलाकर इन देशों में बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं इन देशों में बच्चे गणित एवं विज्ञान जैसे विषयों में गहरी रुचि नहीं ले पा रहे हैं। अतः इन देशों में महिलाएं बहुत अधिक परेशानी में दिखाई दे रही हैं एवं वे भारतीय पुरुषों को अपने पति के रूप में स्वीकार करने को लालायित दिखाई दे रही हैं।

आज 1.40 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों में रह रहे हैं, जो इन देशों की नागरिकता प्राप्त करने का इंतजार कर रहे हैं एवं इसके अतिरिक्त 1.80 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के स्थायी नागरिक बन चुके हैं। अतः कुल मिलाकर 3.20 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक आज विश्व के अन्य देशों में निवास कर रहे हैं। भारतीय मूल के नागरिकों का यह वर्ग न केवल इन देशों में भारतीय सनातन संस्कृति को फैलाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है बल्कि अपनी बचतों को भारत में भेजकर भारत में अपना पूंजी निवेश भी बढ़ा रहा हैं। पिछले वर्ष, भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि भारत में भेजी गई थी, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में भेजी गई राशि में सबसे अधिक है। भारतीय मूल के नागरिक अपने संस्कारों के चलते इन देशों में शीघ्र ही अपना विशेष स्थान बना लेते हैं एवं अपनी मेहनत के बल पर सम्पन्नता भी प्राप्त कर लेते हैं। आज भारतीय मूल के नागरिक कई देशों में राजनैतिक क्षेत्र में भी बहुत आगे आ गए हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति श्रीमती कमला हेरिस, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री ऋषि सुनक सहित कई देशों के प्रमुख आज भारतीय मूल के नागरिक ही हैं।

जब विशेष रूप से विकसित देशों में भारत से डॉक्टर, इंजीनियर एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञ भारत से बाहर जाते हैं तो इन विशिष्ट श्रेणी में विशेषज्ञों की भारत में कमी होना स्वाभाविक है। अब तो ऐसा आभास होने लगा है कि पूरे विश्व के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ जैसे भारत तैयार कर रहा है। यह विशेषज्ञ विभिन्न देशों में जाकर इन देशों की कम्पनियों को मजबूती प्रदान करते हैं एवं यह कम्पनियां पूरे विश्व में अपने व्यापार को फैलाने में सफल हो रही हैं। अब समय आ गया है कि भारतीय कम्पनियां भी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां बनें एवं पूरे विश्व में अपने व्यापार को फैलाएं। इस दृष्टि से भारत की इन कम्पनियों को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी। यदि भारतीय कम्पनियां विश्व के अन्य देशों में अपने पैर पसरना शुरू करें तो हो सकता है इन क्षेत्रों में पूर्व से ही कार्य कर रही विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से भारतीय कम्पनियों को गला काट प्रतिस्पर्धा करनी पड़े। जबकि विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में भारतीय विशेषज्ञों का ही अधिक योगदान रहा है। विदेश में रह रहे भारतीय विशेषज्ञों एवं भारत में रह रहे भारतीय विशेषज्ञों की आपस में प्रतिस्पर्धा होगी। इस प्रतिस्पर्धा में सम्भव है कि भारतीय कम्पनियां विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के आगे प्रतिस्पर्धा में टिक ही न सकें।

दूसरे, बदले हुए आर्थिक परिदृश्य में आज भारत में आर्थिक विकास की रफ्तार बहुत तेज हो चुकी है, जबकि विश्व के अन्य देशों, विशेष रूप से विकसित देशों में, आर्थिक विकास की रफ्तार लगातार कम बनी हुई है। भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं अगले लगभग 5 वर्षों के दौरान भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, ऐसी सम्भावना विश्व की वित्तीय एवं आर्थिक संस्थाएं व्यक्त कर रही हैं। अतः आगे आने वाले समय में भारत में भी विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की अधिक आवश्यकता महसूस होने लगेगी।

इस प्रकार, आज भारत में इस विषय पर गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है कि भारत से ब्रेन ड्रेन को कम करने के उद्देश्य से क्या उपाय किए जाने चाहिए। यदि भारत से ब्रेन ड्रेन पर अंकुश लगाने में सफलता मिलती है तो सम्भव है कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में ही अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित करें, क्योंकि इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को इनके अपने देशों में भारतीय विशेषज्ञ इंजीनियरों की कमी महसूस होने लगेगी। भारत में ही विनिर्माण इकाईयों के स्थापित होने से न केवल भारत में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित होंगे बल्कि इन कम्पनियों का विदेशी व्यापार भी भारत के माध्यम से होने लगेगा और भारत के कर संग्रहण में भी अपार वृद्धि होगी। कुल मिलाकर, भारत में और अधिक खुशहाली फैलाने का रास्ता साफ होगा। भारत से ब्रेन ड्रेन को एकदम बंद तो नहीं किया जा सकता है परंतु कुछ क्षेत्रों जिनमें भारत को पूर्व में ही महारत हासिल हैं एवं जिन क्षेत्रों में भारत तेजी से विश्व में अपना स्थान मजबूत कर रहा है तथा जिन क्षेत्रों में भारत को आगे आने वाले समय में विशेषज्ञों की बहुत अधिक आवश्यकता होने जा रही है, ऐसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ इंजीनियरों के ब्रेन ड्रेन को कम करने की जरूर आज आवश्यकता है। जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं मशीन लर्निंग जैसे नए क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभर रहे हैं, इन क्षेत्रों को भारतीय इंजीनियरों द्वारा भारत में ही अधिक विकसित अवस्था में लाया जा सकता है।

विचार मंथन

सरकार डाल-डाल,किसान पात-पात

(लेखक- सनत जैन)

किसानों का आंदोलन पंजाब से चलकर हरियाणा की बॉर्डर पर अटका हुआ है। किसान फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी को लेकर अड़े हुए हैं। रविवार की रात को तीन केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय की किसान नेताओं से चौथे दौर की बातचीत हुई। रविवार की रात 1:00 बजे तक वार्ता चली। सरकार ने अपनी ओर से दाल कपास और चार अन्य फसलों पर एसपी की गारंटी का प्रस्ताव दिया है। सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि सरकार गारंटी के स्वरूप में चार फसलों को खरीदने के लिए नेफेड एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से 5 साल का अनुबंध किसानों के साथ करेगी। इन संस्थाओं और सरकार द्वारा फसल खरीदने की कोई सीमा तय नहीं की जाएगी। कर्ज माफी और सभी फसलों की एमएसपी तय करने के बारे में सरकार चौथे दौर में भी कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आई। किसान नेताओं ने सरकार की बात सुनी और समझी हैं। सरकार से दिए गए प्रस्ताव पर किसान नेताओं और उनके संगठनों ने यह कह दिया है सरकार की ओर से मिले सुझाव पर विचार किया जाएगा। इसके बाद किसान संगठन अपने फैसले से सरकार को अवगत कराएंगे। किसान संगठनों और सरकार के बीच में तीसरे दौर की बातचीत भी एक तरह से बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई है। किसान संगठनों का कहना है सरकार समय पास कर रही है। सरकार ना तो न्यूनतम गारंटी का अध्यादेश लाने तैयार है। ना ही फसलों के न्यूनतम रेट तय करना चाहती है। पिछले किसान आंदोलन में सरकार ने लिखित में किसान संगठनों से जो वायदे किए थे, सरकार अपने वायदों से पलट रही है। सरकार अपने पुराने लिखित वायदे से जब पलट गई है। ऐसी स्थिति में किसान संगठन अब सरकार के ऊपर कोई भी भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। किसान दिल्ली जाने के लिए अड़े हुए हैं। वह सरकार को कोई मौका देने के लिए तैयार नहीं है। सरकार एक और किसानों से बात करने के नाम पर नए-नए तरीके से किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए और आश्वासन देकर मांगों को टालने का प्रयास कर रही है। किसान संगठन भी इस बात को अच्छी तरीके से समझ गए हैं। वह भी अपनी रणनीति और कूटनीति बनाने में जुटे हुए हैं। देश भर के सारे किसान संगठन कर्ज माफी और एमएसपी गारंटी कानून के मामले में अड़े हुए हैं। किसान संगठन के नेता भी पूरी राजनीति कर रहे हैं। उन्हें मालूम है लोकसभा का चुनाव सिर पर है। सरकार मांगे मानने से बचने का प्रयास कर रही है। किसान सरकार को किस तरीके से घेर सकती है, किसान संगठनों ने वर्तमान स्थिति में अध्यादेश लाकर कानून बनाने की बात पर भी जोर देना शुरू कर दिया है। किसान संगठन कर्ज माफी पर भी अड़े हुए हैं। किसान संगठन पिछले आंदोलन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई थी। उनको मुआवजा देने की मांग और गृह राज्य मंत्री के इस्तीफा को लेकर किसान संगठन अड़े हुए हैं। सरकार ने इस पर मौन साध लिया है। इस बीच किसान संगठनों ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली इत्यादि के किसानों को भी अपनी रणनीति में शामिल कर लिया है। अगले एक-दो दिन में किसान संगठन सुनयोजित रणनीति के तहत दिल्ली की ओर सभी सीमाओं से कूच करेंगे। किसान संगठनों ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। किसान संगठन सरकार के ऊपर विश्वास करने के लिए तैयार नहीं है। इस बार वह आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए निकले हुए हैं। हरियाणा सरकार द्वारा जिस तरह से उन्हें रोका गया है। उनके ऊपर ड्रोन से अश्रु गैस के गोले छोड़े गए हैं। किसानों के ऊपर रबर बुलेट छोड़े गए हैं। पिछले 6 दिनों से किसान हरियाणा की सीमा पर हजारों की संख्या में डटे हुए हैं। हरियाणा की सीमा पर जिस तरह से पुलिस और अर्ध सैनिक वालों को तैनात किया गया है। रास्ते में कीले लगा दिए गए हैं। इससे किसानों का गुस्सा विशेष रुप से युवाओं का भड़क गया है। उन्हें लगता है कि यदि अभी वह अपनी मांग नहीं बनवा पाए, तो कभी नहीं मनवा पाएंगे। एक तरह से यह किसानों, मजदूरों और पूंजीपतियों के बीच की लड़ाई बन गई है। सरकार के लिए लोकसभा चुनाव जीतना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। किसान इस बात को समझते हुए अपनी रणनीति बना रहा है। वहीं सरकार इस बात की कोशिश कर रही है कि लोकसभा की अधिसूचना जारी हो जाए। किसान संगठनों को चुनाव तक रुकने के लिए मजबूर किया जाए। सरकार और पूंजीप तियों ने किसान संगठनों में जो फूट डाली थी, सरकार को अभी भी विश्वास है कि किसान नेताओं को मेनेज कर लेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंगापुर से दूसरे देशों में हवाई यात्रा होगी महंगी

सिंगापुर । सिंगापुर से अन्य देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों से ईको फ्रेन्डली विमान ईंधन के उपयोग के शुरू होने 2026 के बाद से ज्यादा किराया वसूला जा सकता है। यह जानकारी सोमवार को लांच किये गये सिंगापुर सस्टेनेबल एयर हब ब्लूप्रिंट में दी गई। चांगी एविएशन समिट 2024 में ब्लूप्रिंट लांच करते हुए परिवहन मंत्री ची होंग टैट ने कहा कि सिंगापुर ने 2050 तक नेट-शून्य हासिल करने के लिए कृतसंकल्प है और टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) कार्बन उत्सर्जन में कटौती में दो-तिहाई योगदान देगा। उन्होंने कहा कि 2026 से एसएएफ का उपयोग करने वाली उड़ानें और एसएएफ-उपयोग लक्ष्य को 2026 में एक प्रतिशत से बढ़ाकर 2030 तक तीन प्रतिशत से पांच प्रतिशत के बीच करना है। दरअसल, खाद्य अपशिष्ट सहित गैर-पेट्रोलियम फीडस्टॉक से बने एसएएफ की मौजूदा कीमत पारंपरिक जेट ईंधन से लगभग तीन से पांच गुना अधिक है। मंत्री ने कहा कि इस प्रकार सिंगापुर एयरलाइंस और यात्रियों को लागत निश्चितता प्रदान करने के लिए एसएएफ लक्ष्य और अनुमानित एसएएफ मूल्य के आधार पर एक निश्चित लेवी लागू करेगा। एसएएफ लेवी वसूलने के बाद सिंगापुर से बैंकॉक की सीधी उड़ान में इकोनॉमी क्लास के यात्री के लिए टिकट की कीमत तीन सिंगापुर डॉलर (2.2 अमेरिकी डॉलर) बढ़ जाएगी, प्रीमियम क्लास के यात्रियों को अधिक लेवी का भुगतान करना होगा। गौरतलब है कि एसएएफ लेवी के अधिक विवरण की घोषणा 2025 में की जाएगी।

बायजू राइट्स इश्यू को 30 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता मिली!

मुंबई । बायजू को राइट्स इश्यू से करीब 30 करोड़ डॉलर की कुल प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है। कुछ निवेशकों ने राइट्स इश्यू का आकार बढ़ाने का भी सुझाव दिया है, लेकिन कंपनी के लिए प्राथमिकता मौजूदा इश्यू को सफलतापूर्वक बंद करना है। एडटेक प्रमुख थिंक एंड लर्न को राइट्स इश्यू के जरिए निवेशकों से 30 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता मिली है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बायजू ब्रांड नाम के तहत संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने 22-25 करोड़ अमेरिकी डॉलर उद्यम मूल्यांकन पर 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने के लिए जनवरी में राइट्स इश्यू जारी किया था। यह फरवरी ओ खिर में बंद होगा। बताया जा रहा है कि अभी तक बायजू को राइट्स इश्यू से करीब 30 करोड़ डॉलर की कुल प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है। कुछ निवेशकों ने राइट्स इश्यू का आकार बढ़ाने का भी सुझाव दिया है, लेकिन कंपनी के लिए प्राथमिकता मौजूदा इश्यू को बंद करना है।

पेटीएम का शेयर पांच फीसदी चढ़ा

मुंबई । पेटीएम का शेयर सोमवार को शुरुआती कारोबार में 5 प्रतिशत उछलकर 358.55 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गया। पेटीएम के शेयरों में यह तेजी दरअसल पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की तरफ से हाल ही में की गई बड़ी घोषणा के बाद आई है। फिनटेक कंपनी पेटीएम ने 16 फरवरी को अपना मुख्य खाता पेटीएम पेमेंट्स बैंक से हटाकर एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से मिली 15 दिन की राहत के कुछ ही देर बाद ही पेटीएम ने यह जानकारी दी कि उसने अपना नोडल अकाउंट पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया है। कंपनी ने कहा कि उसकी पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अपने नोडल अकाउंट को एक एस्क्रो अकाउंट के जरिये एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया और वहां अकाउंट खोल लिया है। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक के लिए समय सीमा को 29 फरवरी से बदलकर 15 मार्च तक बढ़ाने के भी ऐलान किया। यह मोहलत 31 जनवरी को लगाए गए कुछ प्रतिबंधों पर लागू है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीदारी) से आया है। कारोबार के दौरान वित्तीय और उर्जा शेयरों में तेजी से ये उछाला आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 281.52 अंक करीब 0.39 फीसदी ऊपर आकर 72,708.16 पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 81.55 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी ऊपर आकर 22 हजार के स्तर से ऊपर निकल गया।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे ज्यादा 2.86 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, सनफार्मा, आईटीसी, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर एलएंडटी का शेयर सबसे ज्यादा टूटकर बंद हुआ।

इसके अलावा विप्रो, टीसीएस, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स सहित 13 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। आज एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4.65 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इंट्रा-डे (एक ही दिन में खरीदने और बेचने) का कारोबार भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

वहीं आज सुबह वैश्विक बाजारों से एशियाई बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही यूरोप के शेयर बाजार में गिरावट रही। वहीं चीन का बाजार लूनर न्यू ईयर की लंबी छुट्टी के बाद सोमवार को फिर से खुल गया। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है।

सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त पर खुले हैं। वहीं बैंक निफ्टी में भी हल्की बढ़त देखी जा रही है। बाजार की शुरुआत में सेंसेक्स 58 अंक ऊपर आकर 72484 के स्तर के करीब जबकि निफ्टी 38 अंक चढ़कर 22079 के स्तर करीब कारोबार करता दिखा। वहीं चीन के बाजार 6 दिन के बाद खुले।

सोना चमका, चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने के वायदा भाव की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस सुस्ती के साथ ही चांदी के वायदा भाव गिरकर 72 हजार रुपये से नीचे आ गए हैं। सोने के वायदा भाव आज की तेजी के साथ 62 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज और चांदी के वायदा भाव की नरम रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 92 रुपये की तेजी के साथ 61,970 रुपये के भाव पर खुला और 147 रुपये की तेजी के साथ 62,025 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 717 रुपये की गिरावट के साथ 71,395 रुपये के भाव पर खुला और यह 526 रुपये की गिरावट के साथ 71,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने की शुरुआत तेजी और चांदी की गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,027.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,024.10 डॉलर था। फिलहाल यह 7.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,031.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.46 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.47 डॉलर था। यह 0.31 डॉलर की गिरावट के साथ 23.16 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

नथिंग के सह संस्थापक ने मस्क को नाम बदलने का सुझाव दिया

लंदन । लंदन स्थित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड नथिंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक कार्ल पेई ने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को अपना नाम बदलकर एलन भाई करने का सुझाव दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में पेई ने मस्क को टैग किया और उन्हें भारत में टेस्ला फैक्ट्री लगाने के लिए अपना नाम बदल लेना चो हिए। पेई ने लिखा` कि एलन मस्क, क्या आपने सोचा है कि आप अपना यूजरनेम एलन भाई रखे बिना भारत में टेस्ला फैक्ट्री लगा सकते हैं? पेई ने अपना नाम भी बदलकर एक्स पर कार्ल भाई रख लिया। पाई के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने कमेंट किया, एलन भाई भारत में इतने लोकप्रिय हैं कि अगर वह वहां चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जीत पक्की है। एक अन्य यूजर ने लिखा, एलन भाई बनने का समय आ गया है, एलन मस्क। एक और यूजर ने कहा, आप भाई हैं, वह मामू होंगे। कंपनी ने एक्स पर अपने अन्य अकाउंट्स में भाई भी जोड़ा। कंपनी ने नथिंग इंडिया को नथिंग इंडिया भाई और सीएमएफ बाय नथिंग से सीएमएफ भाई नथिंग में बदल दिया। नथिंग अगले महीने भारत में अपना फोन (2ए) लांच करने की तैयारी में है।

7-सीटर एसयूवी सी3 एयरक्रॉस देगी अर्टिगा को चुनौती

-अभी अर्टिगा प्राइवेट और कमर्शियल खरीदारों के बीच लोकप्रिय

नई दिल्ली ।

मारुति अर्टिगा को अब घर में चुनौती देने के लिए एक नई कार एंट्री ले चुकी है। फ्रांस की कार निर्माता सिट्रोन भारत में अपनी 7-सीटर एसयूवी सी3 एयरक्रॉस की बिक्री कर रही है। भारतीय बाजार में सीधे तौर पर मारुति अर्टिगा के टक्कर में लाया गया है। हालांकि, इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा रुमियन और हाल ही में लॉन्च हुई होंडा एलिवेट से भी है। सिट्रोन सी3 एयरक्रॉस की बात करें तो इसे 9.99 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 12.10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। कंपनी ने इसे तीन ट्रिम यू, प्लस और मैक्स में लॉन्च किया है।

यह एसयूवी 5 और 7-सीटर कॉन्फिगरेशन में आती है। 7-सीटर कॉन्फिगरेशन में तीसरी पंक्ति की सीटों को हटाया जा सकता है। सी3 एयरक्रॉस में कंपनी ने 1.2-लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन दिया है। यह इंजन 110 बीएचपी की पॉवर और 190 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह एसयूवीपहले केवल मैनुअल ट्रांसमिशन में लॉन्च की गई थी लेकिन अब कंपनी ने इसके ऑटोमैटिक वर्जन को भी लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा किया है कि ये इंजन फ्यूल एफिसिएंट है जो 18.5 किलोमीटर की माइलेज आसानी से निकाल सकता है।

सुरक्षा के लिहाज से इसमें फ्रंट में डुअल एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल-होल्ड असिस्ट, रियर पार्किंग सेंसर, रिवर्स कैमरा और एक टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसे फीचर्स भी मिलते हैं।अगर फीचर्स की बात करें तो सिट्रोन सी3 एयरक्रॉस में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी के साथ 10.2 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम और 7 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले जैसे कुछ खास फीचर्स दिए हैं।

इसमें स्टीयरिंग-माउंटेड ऑडियो कंट्रोल और मैनुअल एसी भी मिलता है।

जीपीटी हैल्थकेयर का प्राइस बैंड 177-186 रुपए तय

नई दिल्ली ।

जीपीटी हेल्थकेयर आईपीओ का प्राइस बैंड 10 रुपये के फेस वेल्यू पर 177 से 186 रुपये के बीच तय किया गया है। जीपीटी हेल्थकेयर का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए गुरुवार 22 फरवरी को खुलेगा और सोमवार 26 फरवरी को बंद होगा। जीपीटी हेल्थकेयर आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों को अलॉटमेंट बुधवार 21 फरवरी को किया जाएगा। फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू का 17.7 गुना है और कैप वैल्यू इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू का 18.6 गुना है। वित्त वर्ष 2023 के लिए न्यूनतम मूल्य पर ईपीएस आधारित मूल्य, आय रेश्यो 36.27 गुना और कैप मूल्य पर 38.11 गुना है। जीपीटी हेल्थकेयर के आईपीओ का लॉट साइज 80 इक्विटी शेयरों का है यानी निवेशकों के एक लॉट में मिनिमम 80 शेयर लेने होंगे। जीपीटी हेल्थकेयर आईपीओ ने योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए पब्लिक इश्यू में 50 फीसदी से अधिक शेयर रिजर्व नहीं किए हैं। वहीं गैर-संस्थागत संस्थागत निवेशकों के लिए 15 फीसदी और खुदरा निवेशकों के लिए 35 प्रतिशत तक शेयर रिजर्व रखे गए हैं। जीपीटी हेल्थकेयर आईपीओ को ताजा इश्यू के माध्यम से लगभग 40 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। फंड जुटाने के लिए ऑफर-फॉर-सेल के हिस्से के रूप में इसका 2.61 करोड़ शेयर जारी करने का भी इरादा है। कंपनी फंड का इस्तेमाल अपने लक्ष्यों के वित्तपोषण के लिए करेगी। साथ ही कुछ फंड का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य, कंपनी द्वारा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्राप्त कुछ मौजूदा ऋणों का पूर्ण या आंशिक रूप से पुनर्भुगतान या भुगतान करने के लिए करेगी।

GPS Healthcare
General Practice Solihull
To provide high quality primary care services which improve the health and social care outcomes for the population of Solihull

जेनिथ ड्रग्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

मुंबई । फार्मा कंपनी जेनिथ ड्रग्स लिमिटेड ने सोमवार को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए खोल दिया है। कंपनी अपने एसएमई आईपीओ के जरिए 40.6 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर 27 फरवरी को हो सकती है। कंपनी के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 75-79 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशक आईपीओ को 19 फरवरी से 22 फरवरी तक सब्सक्राइब कर सकते हैं। आईपीओ 51.4 लाख शेयरों का पूरी तरह से ताजा इक्विटी इश्यू है और इश्यू के जरिए कंपनी का टार्गेट 40.6 करोड़ रुपये जुटाने का है।अक्टूबर 2023 को समाप्त अवधि के लिए, कंपनी ने 69.48 करोड़ रुपये का राजस्व और 5.4 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। आईपीओ से जुटाई गई राशि से कंपनी मशीनरी की खरीद और नए प्लांट की स्थापना, मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग ब्लॉक अपग्रेडेशन, वर्किंग कैपिटल आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज आईपीओ की बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज रजिस्ट्रार है। ऑफर का लगभग 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व है।

यूपी में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, हरियाणा में महंगा

- ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 82.80 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 83 डॉलर के आसपास पहुंच गई हैं। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। सोमवार को यूपी के कई शहरों में तेल के दाम नीचे आए। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतम बुद्ध नगर में सोमवार को पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 96.65 रुपये लीटर हो गया। यहां डीजल भी 6 पैसे चढ़ा और 89.82 रुपये लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 27 पैसे सस्ता होकर 96.47 रुपये लीटर तो डीजल 27 पैसे गिरकर 89.66 रुपये लीटर हो गया है। इसके अलावा हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 7 पैसे महंगा हुआ और 97.04 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 7 पैसे बढ़त के साथ 89.91 रुपये लीटर बिक रहा है। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल उछाल पर है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 82.80 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 78.81 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.04 रुपये और डीजल 89.91 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वाइज़ ट्रैवल इंडिया के शेयर बढ़त के साथ खुले

नई दिल्ली ।

किराए पर कार उपलब्ध कराने वाली कंपनी वाइज़ ट्रैवल इंडिया (डब्ल्यूटीआई) के शेयर की सोमवार को एनएसई, एसएमई प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक शुरुआत हुई। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली थी। यह ओवरऑल 163 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ था। एनएसई एसएमई पर डब्ल्यूटीआई कैब का शेयर प्राइस 195 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो 147 रुपये के इश्यू प्राइस से 32.65 फीसदी अधिक है। इसका मतलब है कि निवेशकों को 32 फीसदी से अधिक लिस्टिंग गेन मिला है। लिस्टिंग के बाद शेयर पर अपर सर्किट लगा। डब्ल्यूटीआई कैब्स आईपीओ सोमवार, 12 फरवरी को सबस्क्रिप्शन के लिए खुला और बुधवार 14 फरवरी को बंद हुआ था। डब्ल्यूटीआई कैब्स आईपीओ का प्राइस बैंड 140 रुपये से 147 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ के लॉट साइज में 1,000 शेयर शामिल थे। निवेशक न्यूनतम 1,000 शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगा सकते हैं। डब्ल्यूटीआई कैब्स आईपीओ जिसकी कीमत 94.68 रुपये करोड़ है में 10 रुपये के फेस वैल्यू के साथ 6,441,000 इक्विटी शेयरों का ताजा अंक शामिल है। यह पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू है और इसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव शामिल नहीं है। कंपनी आईपीओ के जरिए जुटाए पैसों का इस्तेमाल अपनी वर्किंग कैपिटल आवश्यकताओं को पूरा करने, अपने सामान्य कॉर्पोरेट लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और इश्यू के खर्चों का भुगतान करने के लिए करेगी।

भारतीय कार बाजार में प्रवेश करेगी मित्सुबिशी

- टीवीएस मोबिलिटी में 32 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी जापानी कंपनी

नई दिल्ली ।

जापानी ट्रेडिंग हाउस मित्सुबिशी कॉर्प भारतीय कार सेल बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। निक्केई एशिया की खबर के अनुसार कंपनी भारतीय कार बिक्री प्रमुख टीवीएस मोबिलिटी में 30 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी हासिल कर रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों कंपनियों के बीच हुए इस समझौते के तहत, टीवीएस मोबिलिटी अपने कार बिक्री कारोबार को बंद कर देगी, जिसमें मित्सुबिशी नई इकाई में 30 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी लेगी। निवेश 5 बिलियन से 10 बिलियन येन (33 मिलियन से 66 मिलियन) के बीच होने की उम्मीद है। हालांकि अभी इस निवेश को `नियो मिकीय मंजूरी मिलना बाकी है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि निवेश को अंतिम रूप देने के बाद मित्सुबिशी अपने कर्मचारियों को डीलरशिप पर भेजने की योजना बना रही है। नई कंपनी टीवीएस मोबिलिटी के 150 मौजूदा आउटलेट्स का उपयोग करते हुए प्रत्येक कार ब्रांड के लिए डेडिकेटेड शोरूम बनाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआत में होंडा कारों की बिक्री बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा, जो पहले से ही टीवीएस के लाइनअप में हैं। मित्सुबिशी जापानी कार ब्रांडों और मॉडलों की रेंज को बढ़ाने के लिए जापानी वाहन निर्माताओं के साथ चर्चा का करेगी।

भारत नई कारों की बिक्री में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, केवल चीन और अमेरिका से पीछे है, लेकिन जापानी वाहन निर्माताओं को इस क्षेत्र में सीमित सफलता मिली है, जिसमें सुजुकी मोटर एक उल्लेखनीय अपवाद है। मित्सुबिशी का लक्ष्य नई कंपनी के माध्यम से स्थानीय ब्रांडों के साथ जापानी कारों को बेचने का है।

सरकार ने प्याज के निर्यात से हटाया प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगाया प्रे तिबंध हटा लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली मंत्री समिति ने प्याज निर्यात को मंजूरी दी है। शुरुआत में 3 लाख मीट्रिक टन प्याज निर्यात होगा। देश में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुल लगाने के लिए सरकार ने निर्यात प्रतिबंध लगा दिया था। इसकी समयसीमा 31 मार्च 2024 तय की थी। गुजरात और महाराष्ट्र में प्याज के पर्याप्त स्टॉक को देखते हुए सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाया है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने केंद्रीय गृहमंत्री को प्याज किसानों की स्थिति के बारे में बताया था। प्याज उत्पादक क्षेत्रों में प्याज समेत अन्य सब्जियों की कीमतों में गिरावट आने और देश में प्याज का पर्याप्त भंडार होने के चलते ही सरकार ने निर्यात प्रतिबंध समाप्त करने का फैसला लिया है।

प्याज के उत्पादन में कमी और आसमान पर पहुंची कीमतों के चलते केंद्र सरकार ने बीते 8 दिसंबर को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले साल दिसंबर महीने में प्याज की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली थी, तब प्याज के दाम 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए थे। इसके बाद सरकार सक्रिय हुई, जिससे कीमतों पर लगाम लगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में मिलेगा आराम

मुम्बई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स रांची में शुरू होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। इस मैच में बुमराह को आराम दिया जाएगा। इस तेज गेंदबाज ने अब तक इस सीरीज में 13.64 की शानदार औसत से सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं। बुमराह की जगह पर रांची में तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम मंगलवार को राजकोट से रवाना होगी पर बुमराह के टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह को कार्यभार प्रबंधन की नीति के तहत ही आराम देने का फैसला हुआ है। पांचवें टेस्ट में उनकी भागीदारी चौथे टेस्ट के परिणामों पर आधारित रहेगी। अभी ये पता नहीं चला है कि टीम प्रबंधन उनकी जगह पर किसी तेज गेंदबाज को शामिल करेगा या नहीं।

बजरंग , विनेश और साक्षी को ओलंपिक क्वालीफायर के लिए बुलाया जाएगा : संजय

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख संजय सिंह ने कहा है कि महाराष्ट्र में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर ट्रायल में बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक को भी अवसर दिया जाएगा। संजय ने कहा कि इन्हें किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही कहा कि वह इन तीनों की दिग्गजों को स्वयं आमंत्रण देंगे। इससे पहले विश्व कुश्ती की शीर्ष संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई पर लगाया गया अस्थाई निलंबन हटाते हुए शर्त रखी थी कि किसी भी प्रदर्शनकारी पहलवान के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिये। साथ ही कहा थ कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो निलंबन फिर शुरु हो जाएगा।

इससे पहले बजरंग , विनेश और साक्षी ने डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए आंदोलन किया था। इसके बाद चुनावों में इन पहलवानों ने ब्रजभूषण के करीबी संजय का विरोध किया था। इन पहलवानों का कहना था कि संजय बृजभूषण के करीबी हैं और उनसे महिला पहलवानों के लिए आगे भी खतरा बना रहेगा। वहीं कुश्ती महासंघ प्रमुख संजय के अनुसार वह कुश्ती को आगे ले जाने की योजनाओं पर काम कर रहे हैं। अब हम शीघ्र ही महाराष्ट्र में ओलंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के लिए ट्रायल्स रखेंगे क्योंकि वहां अच्छा बुनियादी ढांचा है। उसमें बजरंग, विनेश और साक्षी को भी उतरने को कहा जाएगा क्योंकि हम पदक विजेता खिलाड़ियों को ओलंपिक में भेजना चाहते हैं। वहीं इससे पहले इन पहलवानों ने कहा था कि संजय ने गलत तथ्य रखकर निलंबन समाप्त कराय है। साथ ही कहा कि न्याय

नहीं मिलने पर वे दोबारा आंदोलन शुरु करेंगे। साथ ही कहा कि संजय की अध्यक्षता वाला महासंघ को स्वीकार नहीं करते हैं। इस मामले में इन पहलवानों न विश्वकुश्ती संध से भी सहायता मांगी थी। वहीं संजय का कहन है कि मैं साक्षी से उनके संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार के लिए और ओलंपिक पदक जीतने के लिए एक और प्रयास करने के लिए भी कहूंगा।

घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं करें, राष्ट्रीय टीम में जगह के लिए ये अनिवार्य : जय शाह

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को भी अब राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए पहले घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित करना होगा। शाह ने कहा कि बोर्ड इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित है और उसे इसपर गर्व है पर खिलाड़ी आईपीएल के नाम पर घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने खिलाड़ियों के आईपीएल को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति को चिंताजनक बताया है। उन्होंने लिखा, 'कुछ खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट के स्थान पर आईपीएल को प्राथमिकता देनी शुरू दी है पर यह एक गलत प्रवृत्ति है। हमने आईपीएल के कारण इस तरह की चीजों की उम्मीद नहीं की थी। घरेलू क्रिकेट हमेशा ही टीम चयन का आधार रहा है, जिस पर भारतीय क्रिकेट स्थापित है। हमने कभी भी इस टूर्नामेंट को कम महत्व देने का प्रयास नहीं किया है। उन्होंने कहा, 'इस बात को समझना बहुत ही आवश्यक है कि घरेलू क्रिकेट भारतीय क्रिकेट की रीढ़ के समान है।

यह लगातार कई सालों से भारतीय टीम को नई प्रतिभाएं देता रहा है। भारतीय क्रिकेट के लिए हमारा रुख शुरू से ही स्पष्ट रहा है कि भारत के लिए खेलने के इच्छुक प्रत्येक क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित करना होगा। घरेलू टूर्नामेंट में किसी भी खिलाड़ी के द्वारा किए गए प्रदर्शन को चयन प्रक्रिया में काफी महत्व दिया जाता है। अगर कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में भाग नहीं लेता है तो इसके गंभीर प्रभाव होंगे। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार कुछ खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। उसी को देखते हुए जय शाह ने ये बात कही है।

हमारे कारण ही टेस्ट क्रिकेट आक्रामक अंदाज में खेला जा रहा : डकेट

राजकोट ।

इंग्लैंड के क्रिकेटर बेन डकेट ने कहा है कि हमारी टीम के कारण ही आज टेस्ट क्रिकेट आक्रामक अंदाज में खेला जाने लगा है। डकेट ने कहा कि जब आप विरोधी टीम के खिलाड़ियों को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि हमें कुछ श्रेय लेना चाहिए। वे अपनी स्वाभाविक शैली से अलग तरीके से खेलने लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस क्रिकेट सत्र में ये पहले भी कई बार ऐसा देखा है जिसको देखकर सभी उत्साहित हैं। यह देखना काफी रोमांचक है कि अन्य खिलाड़ी और अन्य टीमें भी अब आक्रामक शैली की क्रिकेट खेल रही हैं। उन्होंने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें उभरता हुआ सितारा बताया है। यशस्वी ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट की दूसरी पारी में आक्रामक अंदाज में खेलते हुए दोहरा शतक लगाया है। जायसवाल की तारीफ की करते हुए कहा कि वह उभरते हुए सुपरस्टार की तरह लगते हैं ये हमारी बदकिस्मती है कि वह इस समय बहुत अच्छी लय में है पर आने वाले समय में उसका खराब समय आयेगा। डेकेट ने इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 153 रन बनाये थे।

रोहित ने इंग्लैंड की तारीफ की , कहा उन्होंने हमारे ऊपर दबाव बनाये रखा

राजकोट ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट जीतने पर खुशी जताते हुए कहा कि इस मुकाबले में मेहमान टीम ने भी अच्छा खेलते हुए हमपर दबाव बनाये रखा। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक के साथ ही स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के की अहम भूमिका रही। जडेजा ने दूसरी पारी में पांच खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजकर मेहमान टीम की कमर ही तोड़ दी थी। इस मैच के चौथे ही दिन भारतीय टीम को 434 रनों की बड़ी जीत मिल गयी थी। इससे भारतीय टीम सीरीज में भी 2-1 से आगे हो गयी है। रोहित ने कहा, हम पांच दिनों के महत्व को समझते हैं। उन्होंने अच्छा खेला और हमपर दबाव बनाये रखा। वहीं हमारी गेंदबाजी भी बेहतरीन रही। चौथे दिन जिस प्रकार से हमने वापसी की, उस पर मुझे वास्तव में गर्व है। जब ये चीजें होती हैं, तो खुशी होती है। जड़ेजा पर रोहित ने कहा, इस खेल के लिए, हमने सोचा कि उसके पास बहुत अनुभव है और उसने बहुत सारे रन भी बनाए हैं। वहीं सरफराज भी बल्लेबाजी में बेहतर है। हमने देखा कि वह बल्ले से क्या कर सकता है। वहीं बल्लेबाजी क्रम पर बात करते हुए उन्होंने कहा, यह कोई स्थायी रुख नहीं है,

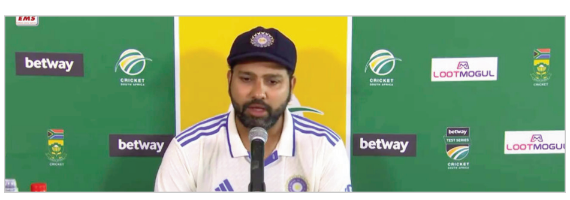

विरोधी टीम के लिए गेंदबाजी आक्रमण को देखते हुए हम हम रणनीति रखते हैं। हम हर चीज की गणना करते हैं और फिर प्रवाह के साथ चलते हैं।

मैच में बहुत सारे मोड़ थे, टॉस जीतना अच्छा था, हम जानते हैं कि भारत में टॉस जीतना कितना अहम है, जिस तरह से हमने उस आक्रमण के बाद वापसी की और गेंदबाजी की। रोहित ने कहा, गेंदबाजों ने काफी बेहतर खेल दिखाया, इस मैच में हमारे पास सबसे अनुभवी गेंदबाज भी नहीं था। बल्ले से हम जानते थे कि काम आधा हो गया है, उन दो युवाओं ने हमें वह बढ़त दिला दी जो हम चाहते थे और जाहिर तौर पर दूसरी पारी में गेंद से जडेजा बेहतरीन रहे थे। यशस्वी को लेकर उन्होंने कहा, मैं उसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता, उसने अपने करियर की शुरुआत शानदार तरीके से की है और मैं चाहता हूं कि वह इसी प्रकार अच्छा प्रदर्शन करता रहे।

संक्षिप्त समाचार

अश्विन की पत्नी प्रीति ने भावुक पोस्ट साझा की , कहा मुझे आप पर गर्व है

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम की तीसरे टेस्ट में जीत के बाद अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की पत्नी प्रीति नारायणन ने भावुक पोस्ट की है। अश्विन मेडिकल इमरजैंसी के कारण तीसरे टेस्ट के बीच में ही स्वदेश भी लौटे थे हालांकि वह चौथे दिन वापस टीम से जुड़ गये थे। वापसी पर उन्होंने टॉम हार्टली को पेवेलियन भेजा। अब भारतीय टीम की जीत के बाद उनकी पत्नी प्रीति ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा की है। प्रीति ने अश्विन के 500वें और 501वें विकेट के बीच के समय को अपने जीवन के सबसे लंबे 48 घंटे बताया। उन्होंने लिखा, हमने हैदराबाद तक 500 का पीछा किया पर ऐसा नहीं हुआ। फिर विशाखापत्तनम में भी ऐसा नहीं हुआ। तो मैंने बस काफी मिठाइयां खरीदीं और घर पर सभी को 499 होने पर दीं। 500 आया और चुपचाप चला गया। 500 और 501 के बीच बहुत कुछ हुआ। हमारे जीवन के सबसे लंबे 48 घंटे रहे पर यह 500 के बारे में है। और उससे पहले के 499 के बारे में ही। क्या गजब की उपलब्धि है। शानदार इंसान। अश्विन, मुझे आप पर बेहद गर्व है और हम आपसे प्यार करते हैं। गौरतब है कि अश्विन टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले दुनिया के 9वें गेंदबाज हैं। भारत के लिए उनके पहले सिर्फ अनिल कुंबले ही 500 विकेट तक पहुंच पाए थे।

दोहरे शतक के बाद भी यशस्वी के अलावा इन खिलाड़ियों को नहीं मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गये तीसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद भी उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड नहीं मिला। इससे पहले भी दोहरा शतक लगाने के बाद भी कुछ क्रिकेटरों को ये अवार्ड नहीं मिला था। यशस्वी जायसवाल ने लगातार दूसरे मैच में दोहरा शतक जमाया। इसके बाद भी उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड नहीं मिलना हैरानी की बात है। दूसरे टेस्ट में तेज गसप्रीत बुमराह को ये अवार्ड जबकि तीसरे टेस्ट में रवींद्र जडेजा को मिला। यशस्वी भारत के छठे खिलाड़ी है जिनके साथ ऐसा हुआ है. इससे पहले विनोद कांबली, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और मयंक अग्रवाल के साथ भी ऐसा हुआ। इंग्लैंड के खिलाफ 1993 में मुंबई टेस्ट में विनोद कांबली ने 224 रन की पारी खेली थी पर ऑलराउंडर ग्रीम हीक को यह अवार्ड मिला था। साल 2000 में द्रविड़ ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दोहरा शतक लगाया पर अवार्ड जवागल श्रीनाथ को मिला। वहीं सचिन तेंदुलकर ने 2004 में बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक जमाया था पर प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड इरफान पठान को मिला। विराट कोहली ने 2016 में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाया पर तब आर अश्विन मैच को अवार्ड मिला जबकि साल 2019 में मयंक अग्रवाल ने दोहरा शतक लगाया पर रोहित शर्मा को अवार्ड दिया गया।

हुसैन और वॉन ने इंग्लैंड की हार के लिए आक्रामक रणनीति को जिम्मेदार बताया

रुट के शॉट पर भी सवाल उठाये

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के दो पूर्व कप्तानों नासिर हुसैन और माइकल वॉन ने भारतीय टीम के हाथों तीसरे टेस्ट मैच में भी टीम को मिली करारी हार के लिए टीम की अति आक्रामक रणनीति को जिम्मेदार बताया है। इन दोनो का मानना है कि उनकी टीम को हमेशा आक्रामक होकर खेलने की रणनीति की जगह मैच के हालातों के अनुसार खेलना चाहिये था। भारतीय टीम ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी 434 रनों की जीत दर्ज की थी। इस मैच में भारत से मिले 557 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम केवल 122 रन ही बना पायी। इस को लेकर वॉन ने कहा, 'यह बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में सबसे खराब हार थी और इसने उनकी रणनीति की कमी को दिखा दिया है। वे हर अवसर पर आक्रामक रुख नहीं अपना सकते, उन्हें अपने क्षणों को चुनना होगा। हुसैन ने भी इस मामले में वॉन की बात का समर्थन किया। हुसैन ने कहा, 'आक्रामक रणनीति के साथ ही दबाव का सामना करना भी आना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल और सरफराज खान ने राजकोट में अच्छी पारियां खेली हैं। इन सभी ने शुरुआत से ही शॉट लगाने की जगह पर पहले क्रीज पर समय बिताया। वॉन ने कहा, 'उन्हें यह देखना चाहिये कि तीसरे दिन यशस्वी और शुभमन गिल ने किस प्रकार से खेला। उन्होंने 30 या 40 गेंदों तक रुख कर खेला और फिर उन्होंने तेजी से रन बनाना शुरु कर दिया। बाउंड्री लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी यही है। भारत ने 228.5 ओवर में 875 रन बनाए। कोई भी मुझे यह नहीं कह सकता कि भारत को यहां बल्लेबाजी करते देखना उबाऊ था।

हैदराबाद में सीरीज का शुरुआती मैच जीतने के बाद से ही इंग्लैंड के लिए चीजें खराब होती गईं। हमारी टीम के बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले जिससे मेजबान टीम को लाभ मिला। वॉन ने कहा, 'निश्चित रूप से इतनी करारी हार स्टोक्स और टीम के लिए एक चेतावनी है।

हार से उबरकर सीरीज 3-2 से जीतने का लक्ष्य बनाएंगे : स्टोक्स

राजकोट ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि उनकी टीम भारत से तीसरे टेस्ट में मिली बड़ी हार से उबरकर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। स्टोक्स के अनुसार अब उनकी टीम बचे हुए दोनो मैच जीतकर 3-2 से सीरीज अपने नाम करने का प्रयास करेगी। इस सीरीज में इंग्लैंड ने हैदराबाद में खेले गये पहले टेस्ट में जीत दर्ज की थी पर इसके बाद उसे बचे हुए दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, ' इंग्लैंड के लिए मैच हारना ऐसा नहीं है कि आप वहां होना चाहते हो पर व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि जीत या हार दिमाग में होती है। उन्होंने कहा, 'मैंने तय किया है कि हर तरह की भावनाएं, सभी तरह की निराशा अब सिर्फ ड्रेसिंग रूम में ही सीमित रहेगी और मैदान पर नहीं दिखेगीहे। हमारे दो और मैच बचे हैं और कप्तान के तौर पर मैं यही सोच रहा हूं कि इस सीरीज को 3-2 से जीतें। स्टोक्स ने कहा कि लगातार दो करारी हार के बाद भी इंग्लैंड की रणनीति में कोई बदलाव नहीं आयेगा। उन्होंने कहा, 'बिलकुल भी नहीं आयेगा क्योंकि हमारा बल्लेबाजी लाइन अप अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से भरा है। हम उन्हें मैच के हालातों के अनुसार खेलने की आजादी देते हैं। इससे आप प्रदर्शन में अंतर देख सकते हो। स्टोक्स ने कहा, 'पिछले दो मैच में भारतीय टीम ने काफी रन बनाये, वे इसी तरह से खेलना चाहते हैं। हम भी कभी कभार ऐसा कर पाये पर ज्यादा लंबे समय तक इस लय को बरकरार नहीं रख पाये जिससे हमें असफलता मिली है

यशस्वी के हाथों हुई पिटाई को कभी भूल नहीं पायेंगे एंडरसन

राजकोट । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट की दूसरी पारी में जिस प्रकार आक्रामक बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि वह कितने निडर क्रिकेटर हैं। यशस्वी ने इस मैच में इंग्लैंड की गेंदबाजी को धवस्त कर दिया था। विशेष रुप से उन्होंने मेहमान टीम के अनुभवी गेंदबाज जेम्स एंडरसन की जमकर पिटाई की जो वह कभी नहीं भूल पायेंगे। एंडरसन के दो शतक से लंबे करियर में किसी बल्लेबाज ने उनकी गेंदबाजी को इस प्रकार नहीं पीटा था। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग भी ऐसा नहीं कर पाये थे। एंडरसन दुनिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं। इसके बाद भी यशस्वी ने एक के बाद एक तीन जोरदार छक्के लगाये। उनके साथ पूरे करियर में ऐसा आज तक किसी भी बल्लेबाज ने नहीं किया था। इस प्रकार यह मैच उनके करियर का सबसे खराब मैच रहा। एंडरसन के खिलाफ राजकोट टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान यशस्वी ने 85वें ओवर में तीन लगातार छक्के मारे। उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद को लेग साइड में छक्के के लिए भेजा इसके बाद ऑफ साइड में छक्का जमाया और चौथी गेंद को सामने उठाकर सिक्स मारा।

मैंने जितने छक्के टेस्ट करियर में लगाये उससे ज्यादा यशस्वी ने एक पारी में लगा दिये: कुक

लंदन ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलियेस्टर कुक ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। कुक ने कहा कि मैंने अपने पूरे टेस्ट करियर में उतने छक्के नहीं लगाये जितने यशस्वी ने एक ही पारी में लगा दिये। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गये तीसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। अपनी 214 रनों की पारी में उन्होंने 12 छक्के लगाये जबकि रुट ने अपने करियर में 12000 से ज्यादा रन बनाने के दौरान केवल 11 छक्के लगाये थे। यशस्वी के दोहरे शतक के कारण ही भारतीय टीम एक बड़ा स्कोर बनाकर टेस्ट जीतने में सफल रही थी। यशस्वी ने 2वां छक्का लगाते ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम के भी एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब अकरम और यश्स्वी ही वो बल्लेबाज हैं जिन्होंने टेस्ट की एक पारी में 12 छक्के लगाये हैं। कुक ने कहा, यशस्वी जायसवाल ने एक दिन में ही इतने छक्के मार दिए। जितने मैंने पूरे करियर में नहीं लगाए। कुक आज तक अपने टेस्ट करियर में 11 छक्के ही लगा सके हैं। कुक इंग्लैंड के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक थे। इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी कुक के नाम है। उन्होंने साल 2006 से 2018 के बीच 161 टेस्ट मुकाबले खेले थे। इस बीच उन्होंने 291 पारियों में 45.35 की औसत से 12472 रन बनाये थे। टेस्ट में उनके नाम कुल 33 शतक और 57 अर्धशतक हैं।

उनका सबसे अधिक स्कोर 294 रन हैं। इसके अलावा 92 एकदिवसीय मैचों में कुक के नाम 3204 रन हैं। उनका अधिकतम स्कोर 137 रनों का रहा है।

भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंची

न्यूजीलैंड शीर्ष पर पहुंची , ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर खिसकी

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम अब आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ मिली अपनी सबसे बड़ी जीत 434 रनों से अंकों के मामले में काफी लाभ हुआ है। भारतीय टीम ने 7 टेस्ट मैचों में ही 50 अंक हासिल कर लिए हैं। इससे भारतीय टीम का अंक प्रतिशत 59.52 पहुंच गया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम का अंक प्रतिशत 55 पहुंच गया है। 10 मैचों में ही ऑस्ट्रेलिया के 66 अंक हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। कीवी टीम ने 4 टेस्ट मैचों में से 3 जीते हैं जबकि एक में वह हारी है। कीवी टीम के 36 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 75 है। बांग्लादेश की टीम ने 2 में से एक टेस्ट जीते हैं जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इससे वह चौथे नंबर पर है। पाकिस्तान की टीम ने 5 टेस्ट मैचों में से 2 में जीत दर्ज की है जबकि 3 में उसे हार मिली है। वह 22 अंक लेकर पाकिस्तान पांचवें नंबर पर है, उसकी जीत का प्रतिशत 36.66 है।

सबसे ज्यादा तनाव भारतीय महिलाओं में

महिलाएं घर से लेकर दफ्तर तक खुद को बेहद तनाव और दबाव में महसूस करती हैं। यह समस्या विकासशील देशों में ज्यादा दिख रही है। लेकिन यदि ये पूछा जाए कि दुनिया में किस देश की महिलाएं सबसे ज्यादा तनाव में रहती हैं तो शायद इसका जवाब आपकों हैरानी और चिंता में डाल सकता है। जी हाँ, भारत की महिलाएं सबसे ज्यादा तनाव में रहती हैं और इसका खुलासा एक सर्वे में भी हो चुका है। इस सर्वे में 6,500 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। ये सर्वे तुर्की, रूस, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, चीन, थाइलैंड, भारत, मलेशिया, मेक्सिको, ब्राजील, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, स्वीडन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया में कराया गया।

21 विकसित और उभरते हुए देशों में कराए गए नीलसन सर्वे में सामने आया कि तेजी से उभरते हुए देशों में महिलाएं बेहद दबाव में हैं, लेकिन उन्हें आर्थिक स्थिरता और अपनी बेटियों के लिए शिक्षा के बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद भी दूसरों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सर्वे में 87 प्रतिशत भारतीय महिलाओं ने कहा कि ज्यादातर समय वे तनाव में रहती हैं और 82 फीसदी का कहना है कि उनके पास आराम करने के लिए वक्त नहीं होता। हालांकि तनाव में रहने के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि भारतीय महिलाएं आने वाले पांच साल के दौरान अपने ऊपर ज्यादा खर्च करेंगी। 96 प्रतिशत का कहना है कि वे कपड़े खरीदेंगी जबकि 77 फीसदी कहती हैं कि वे सेहत और सुंदरता से जुड़े उत्पादों पर जेब ढीली करेंगी। वहीं 44 फीसदी महिलाएं घर में बिजली से चलने वाली चीजें लाना चाहती हैं। सर्वे के अनुसार दुनिया भर में महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और बड़ी संख्या में नौकरियां कर रही हैं। उनके काम करने से घर की आमदनी भी बढ़ रही है। महिलाओं ने सर्वेकर्ताओं को बताया कि जब उन्हें अपने लक्ष्य मिलते हैं तो वह खुद को सशक्त महसूस करती हैं, लेकिन इससे उनका तनाव भी बढ़ता है।

तनाव और समय न होने के मामले में मेक्सिको की महिलाएं दूसरे नंबर पर हैं। वहां 74 प्रतिशत महिलाएं इस समस्या से परेशान हैं। इसके बाद रूस में 69 प्रतिशत महिलाएं तनाव झेल रही हैं। सर्वे के मुताबिक इस तनाव के लिए एक हद तक सामाजिक बदलाव भी जिम्मेदार हैं। वहीं विकसित देशों में स्पेन में सबसे ज्यादा 66 प्रतिशत महिलाएं तनाव की शिकार हैं। इसके बाद फ्रांस में 65 प्रतिशत और अमेरिका में 53 प्रतिशत महिलाएं इस समस्या सजूझ रही हैं। सर्वे में उभरते हुए देशों

घर से दफ्तर तक भेदभाव

की 80 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीद है कि उनकी बेटी को उनसे कहीं ज्यादा वित्तीय स्थिरता मिलेगी जबकि 83 फीसदी का कहना है कि उन्हें शिक्षा हासिल करने के ज्यादा मौके मिलेंगे। विकसित देशों में 40 प्रतिशत महिलाओं को लगता है कि उनकी बेटियों की वित्तीय स्थिति उनसे अच्छी होगी जबकि 54 प्रतिशत का अनुमान है कि उनकी बेटियां बेहतर शिक्षा पाएंगी। यानि सर्वे से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, जैसे महिलाएं तनाव में तो हैं लेकिन यदि उन्हें लक्ष्य दिया जाए तो वे खुद को सशक्त महसूस करती हैं, महिलाएं मानती हैं कि बेटियां उनसे ज्यादा शिक्षा हासिल करेंगी और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेगी।

महिलाएं अब पहले की तरह अबला नहीं रहीं। चाहे राजनीति का क्षेत्र हो या तकनीकि या फिर सेना का, हर क्षेत्र में महिलाओं की जबरदस्त भागीदारी है। उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार मिले हैं और आगे बढ़ने के अवसर भी। लेकिन ये भी सच है कि वे आज भी घर पर वे हिंसा का शिकार बनती हैं और दफ्तर में भी उनसे भेद भाव किया जाता है। मुमकिन है आप इस बात पर एकाएक यकीन न करें लेकिन संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है ऐसी लाखों महिलाएं हैं, जो जीवन में कभी ना कभी अपने पति के हाथों हिंसा का शिकार हुई हैं। ऐसा बहुत बार देखा गया है कि महिलाओं को फैसले लेना का हक नहीं दिया जाता, उन्हें खुद को हिंसा से बचाने की भी अनुमति नहीं होती। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसे 186 देश हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार देश में लिंग भेद खत्म करने की प्रतिज्ञा ली है, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहे हैं। 127 देश तो ऐसे हैं जो बलात्कार की सजा भी नहीं दे पाते और 61 देशों में गर्भपात पर रोक है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएन वुमन ने यह रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आज से दो शतक पहले केवल दो ही देशों में महिलाओं को मताधिकार था लेकिन अब लगभग हर देश में महिलाओं को यह अधिकार प्राप्त हो गया है। इसके बावजूद उनके उत्पीड़न और प्रताड़ित किए जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं।

महिलाओं को घर पर बुरे व्यव्हार के साथ-साथ दफ्तर में भी तनाव का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है दुनिया में आधी से अधिक नौकरी पेशा महिलाएं ऐसी नौकरियां कर रही हैं, जहां वे सुरक्षित महसूस नहीं करती। इनकी संख्या करीब साठ करोड़ है और जिस तरह की नौकरियों में वे फंसी हुई हैं, वह श्रम कानूनी के दायरे से भी बाहर है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को तीस प्रतिशत कम वेतन मिलता है।

2 मिनट में करें मेकअप

आज की दौड़-भाग भरी इस जिंदगी में स्वयं के लिए खुद के लिए और खास तौर पर मेकअप के लिए वक्त निकालना मुश्किल हो गया है। महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि पहले जरूरी काम निपटा लें फिर तैयार हो जाएंगी। काम निपटाते-निपटाते कब ऑफिस या पार्टी में जाने का वक्त हो जाता है उन्हें पता ही नहीं चलता और वे ठीक से तैयार हुए बिना ही निकल पड़ती हैं, फिर बाद में अफसोस करती हैं। हम आपको बता रहे हैं कुछ टिप्स जिसे अपनाकर आप मिनटों में मेकअप कर सकती है। दो मिनट का समय निकालना कोई मुश्किल काम नहीं है। सबसे पहले चेहरे पर फाउंडेशन व आंखों पर लाइट कलर का आई शेडो लगाएं। चिकबोन पर लाइट शेड का ब्लश आन और होठों पर लिप ग्लास लगाएं। इस तरह आप 2 मिनट में सॉफ्ट और सोफेस्टिकेटेड लुक के साथ तैयार हो सकती हैं। रोजमर्रा के लिए इतना मेकअप काफी है। स्पेशल यानी खास मौके पर जाना हो तो पहले फाउंडेशन लगाएं फिर कॉम्पेक्ट से फाइनल टच दें। इस बार आंखों पर भी थोड़ा ज्यादा मेकअप करें। पहले लाइनर फिर लाइट शेड या दो शेड को मिलाकर आई शैडो लगाएं आप चाहें तो काजल भी लगा सकती हैं। चिकबोन पर हल्के पिंक या पीच शेड का ब्लश आन लगाएं। होठों का मेकअप हल्का रखें। होंठो के लिए लिप ग्लास ही काफी है।

पार्टी में यदि आप कुछ अलग और खास नजर आना चाहती हैं तो मेकअप को 10 मिनट दें। सबसे पहले चेहरे के दाग-धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर, फिर केक फाउंडेशन, काम्पेक्ट या पैन केक से बेस लगाएं। आंखों के लिए ग्रे, पर्पल जैसे शेड चुनें। साथ ही इस बार आईलाइनर, मस्कारा और काजल भी लगाएं। ब्लश आन थोड़ा डार्क रखें या शाईनर का उपयोग करें। लिपलाइनर से आउटलाइन करके लिपिस्टिक लगाएं। अंत में लिप ग्लास से फाइनल टच दें।

शहद के गुणकारी घरेलू नुस्खे

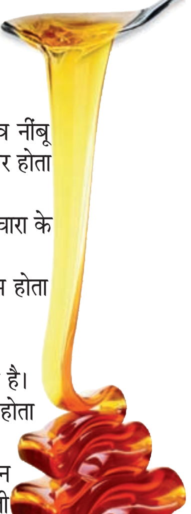

- हृदय की धमनी के लिए शहद बडा शक्तिवर्द्धक है। सोते वक्त शहद व नींबू का रस मिलाकर एक ग्लास पानी पीने से कमजोर हृदय में शक्ति का संचार होता है।
- पेट के छोटे-मोटे घाव और शुरुआती स्थिति का अल्सर शहद को दूध या चारा के साथ लेने से ठीक हो सकता है।
- सूखी खाँसी में शहद व नींबू का रस समान मात्ना में सेवन करने पर लाभ होता है।
- शहद से माँसपेशियाँ बलवती होती हैं।
- बढे हुए रक्तचाप में शहद का सेवन लहसुन के साथ करना लाभप्रद होता है।
- अदरक का रस और शहद समान मात्ना में लेकर चाटने से श्वास कष्ट दूर होता है और हिचकियाँ बंद हो जाती हैं।
- संतरों के छिलकों का चूर्ण बनाकर दो चम्मच शहद उसमें फेंटकर उबटन तैयार कर त्वचा पर मलें। इससे त्वचा निखर जाती है और कांतिवान बनती है।
- कब्जियत में टमाटर या संतरे के रस में एक चम्मच शहद डालकर सेवन करें, लाभ होगा।

खाना खजाना

मटर के समोसे

सामग्री-250 ग्राम मैदा, चुटकी भर अजवायन, 2 कटोरी मटर के दाने, 2 छोटे चम्मच अमचूर व लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार बारीक कटी हरी मिर्च।

विधि-मैदे में अजवायन व मोयन डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसमें आवश्यकतानुसार पानी डालकर आटा गूंध लें। भरावन के लिए मटर को दरदरा पीस लें। इसमें हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, नमक, अमचूर, गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें तैयार भरावन डालकर पांच मिनट तक भून लें। गूंधे हुए मैदे की लोई बनाकर पतली रोटी बेल लें। रोटी के बीच से दो भाग करें। समोसे का आकार देते हुए भरावन भरें। इसी तरह सभी समोसे तैयार करें। गर्म तेल में मध्यम आंच पर सुनहरे होने तक सभी समोसे तल लें। इमली या हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म समोसे सर्व करें।

लजीज केसर-मटर पुलाव

सामग्री- 1 कटोरी बासमती चावल, 1 कटोरी मटर, 1 चम्मच केसर, 1/2 कप दूध, 3-4 लौंग, 1 टुकडा दालचीनी, 2 बड़ी इलायची, 2-3 छोटी इलायची, 3-4 तेज पत्ते, 3-4 काली मिर्च, 4-5 अखरोट की गिरियों के टुकड़े, 8-10 काजू, 10-12 बादाम, 1 बड़ा चम्मच घी, थोड़ी किशमिश, नमक स्वादानुसार।

विधि- केसर को दूध में घोल लें। चावल को पानी में भिगो दें। घी गरम करके किशमिश डालकर सूखे मेवे हलके गुलाबी तलकर बाहर निकालें। सारा खड़ा गरम मसाला गरम घी में डालें। आधा केसर दूध व चावल डालकर चलाएं। ढाई कटोरी पानी, मटर, किशमिश और नमक डालकर उबालें। तैयार हो जाने पर शेष केसर, दूध डालकर 2-3 मिनट तक ढंक दें। परोसने के समय तले सूखे मेवों से सजाएं और सर्दी के मौसम में गरमा-गरम केसर-मटर पुलाव का लुफ्त लें।

प्रेग्नेंसी में झड़ते हैं बाल

मां बनना किसी भी महिला की लाइफ का सबसे खुशनुमा पल होता है। लेकिन यह खुशी तब छू हो जाती है, जब अचानक बालों का गिरना शुरूहो जाता है। प्रेग्नेंसी के बाद आमतौर पर महिलाओं के बाल गिरने लगते हैं। कई महिलाएं तो यह सोच- सोचकर टेंशन में आ जाती हैं कि आखिर इनका गिरना कैसे रोका जाए। चिकित्सकों के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान हुए हार्मोनल चेंज की वजह से ऐसा होता है और जब हार्मोंस नॉर्मल फेज में आने लगते हैं, तो बालों का गिरना धीरे-धीरे कम होता चला जाता है।

चिकित्सकों के अनुसार यह समस्या आमतौर पर प्रेग्नेंसी के बाद या बर्थ कंट्रोल पिल्स के बंद करने पर आती है। इसके अलावा, ज्यादा ब्लीडिंग होना, स्ट्रेस और एनीमिक होना भी बालों के गिरने की एक बड़ी वजह होती है।

प्रेग्नेंसी में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल काफी बढ़ जाता है। यही हार्मोन बालों की ग्रोथ बढ़ाते हैं, इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान तो आपके बाल ना के बराबर गिरते हैं। दरअसल, हमारे 90 फीसदी बाल एक समय में बढ़ते हैं और वहीं 10 फीसदी (रेस्टिंग फेज) में चले जाते हैं। प्रेग्नेंसी में रेस्टिंग फेज के बाल बढ़ते जाते हैं। जैसे ही यह लेवल बदलता है, बाल गिरना शुरू होते हैं। ऐसा पोस्ट-प्रेग्नेंसी के 3-6 महीने तक रहता है। वैसे यह भी देखने में आया है कि कुछ महिलाओं के बाल पहले जैसे घने फिर से नहीं हो पाते हैं। इनके अलावा भी बालों के गिरने की कई वजह होती हैं।

जैसे किसी हार्मोनल दवा को अचानक छोड़ना, मिस कैरिज होना, एबार्शन, हार्मोनल असंतुलन आदि। इस समस्या से निपटने के लिए खूब फल आदि खाएं। इससे बालों को पूरे न्यूट्रिशंस मिल पाएंगे , जिससे वो कम गिरेंगे। कैलशियम, फॉलिक एसिड, विटामिन बी, सी, ई के साथ जिंक और आयरन जरूर लें। बटर चिकन अवॉइड करें । इनके बजाय फिश, लो फैट चीज, अंडे, बादाम, बींस और दही खाएं। डेयरी प्रॉडक्ट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना फायदेमंद रहेगा। आयरन की क्वांटिटी भरपूर रहने से बालों की जड़ों में ब्लड फ्लो अच्छा रहता है, जिससे उनकी ग्रोथ अच्छी रहती है। इसके लिए किशमिश या मुनक्का और चौरी जूस लेना फायदेमंद रहेगा। अंडा, खजूर, हरी सब्जियां भी आयरन के अच्छे सोर्स हैं। इसके साथ विटामिन सी के लिए ऑरेंज, स्ट्रॉबेरी आदि लेना न भूलें क्योंकि यह आयरन को पचाने में मदद करते हैं। खीरे के छिलके, लाल-हरी मिर्च और आलू में सिल्का होता है, जो कई तरह के विटामिंस के पाचन को आसान कर देता है। लेकिन इनका फायदा आपको पूरी तरह तभी मिल पाएगा, जब आप इनको कच्चा खाएंगे। इस सबके अलावा खूब सारा पानी लें, ताकि आपका सिस्टम क्लीन और बाल हाईड्रेट रहें।

फरवरी में टूट सकते हैं गर्मी के सारे पुराने रिकॉर्ड

लंदन। चालू महीने में फरवरी में गर्मी के सारे पुराने रिकॉर्ड टूट सकते हैं। इसके लिए उन्होंने मानव निर्मित वैश्विक तापन और प्राकृतिक एल नीनो को जिम्मेदार ठहराया है, जिसके चलते दुनिया भर में जमीन के साथ-साथ महासागरों पर भी तापमान बढ़ रहा है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि साल के इस सबसे छोटे महीने के आधे से थोड़ा अधिक समय में, तापमान में वृद्धि इतनी स्पष्ट हो गई है कि जलवायु चार्ट नए क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। विशेष रूप से समुद्र की सतह के तापमान के लिए, जो उस बिंदु तक बढ़ गया है कि विशेषज्ञ पर्यवेक्षक यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि कैसे परिवर्तन हो रहा है। रिपोर्ट में साथ ही कहा, 'ग्रह तेजी से गर्म हो रहा है। हम समुद्र के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देख रहे हैं, जो जलवायु में गर्मी का सबसे बड़ा भंडार है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बर्कले के पृथ्वी वैज्ञानिक ज़ेके हॉसफादर के अनुसार जनवरी, दिसंबर, नवंबर, अक्टूबर, सितंबर, अगस्त, जुलाई, जून और मई के बाद मानवता रिकॉर्ड इतिहास में सबसे गर्म फरवरी का अनुभव करने की राह पर है। हाल के सप्ताहों में वृद्धि पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान बढ़ने की ओर है, हालांकि यह अल नीनो का संक्षिप्त प्रभाव होना चाहिए। जिस तरह से 2023 और अब 2024 में पिछले समुद्री सतह के तापमान के रिकॉर्ड को तोड़ दिया गया, वह अपेक्षाओं से अधिक है। हालांकि इसके पीछे की वजह समझने के लिए शोध किए जा रहे हैं।

फिलीपींस में मुठभेड़ में छह सैनिकों की मौत, दो संदिग्ध आतंकवादी मारे गए

मनीला। दक्षिणी फिलीपीन में सैनिकों और संदिग्ध आतंकवादियों के बीच हुयी मुठभेड़ में छह सैनिकों की मौत हो गयी, जबकि दो संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। इस दौरान चार अन्य सैनिक घायल हो गए। सेना की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि लानाओ डेल नॉर्ट प्रांत के मुनाई शहर के एक गांव में रविवार को अपराह्न में सैनिकों और दौला इस्लामिया-माउते समूह के कथित सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दो घंटे की गोलीबारी के बाद आतंकवादी एक एम16, एक एम14 राइफल और एक एम203 ग्रेनेड लॉन्चर छोड़कर भाग गए। एएफपी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो ब्राउनर ने विस्फोट के बारे में कहा, 'फिलीपींस के सशस्त्र बल (एएफपी) पिछले साल मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में बमबारी करने वाले दौला इस्लामिया-मौते समूह के सदस्यों के खिलाफ लगातार अभियान चल रही है।' उल्लेखनीय है कि पिछले साल यहाँ तीन दिसंबर को एक जिम में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई थी और 50 अन्य घायल हो गए थे।

अमेरिका के मिनेसोटा में गोलीबारी में चार की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मिनेसोटा प्रांत की राजधानी मिनियापोलिस के पास बर्न्सविले में गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों और अग्निशमन विभाग के एक अर्धसैनिक सहित चार लोगों की मौत हो गयी। स्टार ट्रिब्यून समाचार पत्र ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट बताया कि एक हमलावर ने एक घर में घुसकर एक महिला और सात बच्चों के साथ खुद को बंद कर लिया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय समयानुसार रविवार तड़के करीब पांच बजे हमलावर तथा पुलिस के बीच गोलीबारी शुरू हुयी। इसमें दो अधिकारियों और एक अग्निशमन विभाग के एक अर्धसैनिक की मौत हो गयी और एक अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गया। इस गोलीबारी में हमलावर भी मारा गया। मिनेसोटा ब्यूरो ऑफ क्रिमिनल अपीयरेंस के अधीक्षक ड्रू इवांस ने रविवार शाम संवाददाताओं से कहा कि हमलावर के पास कई बंदूकें और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद था और उसने घर के भीतर पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाईं। इसके बाद अधिकारियों ने जवाबी गोलीबारी की। इस सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है।

चीन में शीत लहर को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, 12 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना

बीजिंग। चीन में सोमवार को शीतलहर को लेकर ऑरेंज अलर्टजारी किया गया। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में गिरावट का अनुमान लगाया गया है। केंद्र के अनुसार सोमवार से गुरुवार तक चीन के अधिकांश हिस्सों में तापमान में आठ से 12 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। हुनान प्रांत, गुइज़हौ प्रांत और पूर्वोत्तर चीन के कुछ हिस्सों में तापमान के 20 डिग्री सेल्सियस से अधिक गिरने के आसार हैं। केंद्र ने लोगों से ठंड के मौसम के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है और फसलों तथा जलीय उत्पादों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया है।

जापान ने किया यूक्रेन का समर्थन का वादा, कहा- 'पुनर्निर्माण सम्मेलन भविष्य में निवेश जैसा'

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने यूक्रेन के पुनर्निर्माण में देश की दीर्घकालिक भागीदारी का सोमवार को संकल्प व्यक्त किया और इसे 'भविष्य का निवेश' करार दिया। यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा छेड़े गये युद्ध के दो वर्ष पूरे होने से पहले जापान ने युद्धग्रस्त देश का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यूक्रेन सरकार और व्यापारिक संगठनों के साथ मिलकर आयोजित किये गये एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशिदा ने अपने भाषण में कहा कि जापान का सहयोग समावेशिता, मानवतावाद के साथ-साथ प्रौद्योगिकी व ज्ञान पर आधारित एक दीर्घकालिक साझेदारी होगी। जापान और यूक्रेन की सरकारी एजेंसियों व कंपनियों ने 50 से अधिक सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए। किशिदा ने यूक्रेन के विकास के लिए भावी उद्योगों में निवेश के महत्व पर जोर दिया और सुनिश्चित किया कि यह समर्थन यूक्रेन की जरूरतों को पूरा करेगा। किशिदा ने कहा कि यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए यह समर्थन 'भविष्य में निवेश' जैसा है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन में युद्ध अभी जारी है और हालात मुश्किल बने हुए हैं।'

चुनाव धांधली के चलते पाकिस्तान को करना पड़ा इंटरनेट बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में चुनावी धोखाधड़ी की रिपोर्ट सामने आने के बाद अधिकारियों ने 24 घंटे के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। पाकिस्तान में हाल ही में आम चुनाव हुआ था। हालांकि, चुनाव के नतीजे घोषित करने में की गई देरी के बाद कई तरह के आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। कई पार्टियों ने नतीजे को धांधली करार दिया है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं वीडियो में कुछ लोगों को घोटालेबाजी करते हुए देखा गया था। एक तरफ जहां पीटीआई चुनाव में धांधली का आरोप लगा विरोध कर रहा है। दूसरी तरफ खबर आ रही है कि पाकिस्तान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूरे एक दिन प्रतिबंध लगा रहा।

इंटरनेट मॉनिटर नेटब्लॉक्स ने बताया कि चुनावी धोखाधड़ी की रिपोर्ट सामने आने के बाद अधिकारियों ने पाकिस्तान में 24 घंटे के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। कहा जा रहा है कि पहली बार इतने लंबे समय तक के लिए एक्स पर प्रतिबंध लगाया गया है। डिजिटल अधिकारों के लिए एक वकालत मंच बोलो भी के निदेशक उसामा खिलजी ने कहा था कि चुनिंदा वीपीएन को छोड़कर कई लोग एक्स पर पहुंच बनाने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि ज्यादातर उपयोगकर्ता शिकायत कर रहे हैं कि वह एक्स नहीं चला पा रहे हैं। इंटरनेट भी धीमा है। उन्होंने यह भी कहा था कि दूरसंचार प्राधिकरण या आईटी मंत्री, जिनका काम इंटरनेट को लोगों तक आसानी से पहुंचाना काम है, उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दरअसल, पाकिस्तान के रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त लियाकत अली चट्ठा ने आरोप लगाया है कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त और प्रधान न्यायाधीश हाल में संपन्न चुनाव में हुई धांधली में शामिल हैं। इसी के साथ इस नौकरशाह ने सभी गलत कार्यों की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद नेटब्लॉक्स ने एक्स में राष्ट्रव्यापी व्यवधान की सूचना दी थी। उसने बताया था कि अधिकारी के इस्तीफे के बाद एक्स पर कुछ गतिविधियां नहीं हो पा रही हैं।

सिंगापुर में एयरशो में दक्षिण कोरियाई एरोबिक टीम अपने करतब दिखाती हुई।

रूस-यूक्रेन युद्ध का 726वें दिन पुतिन के चेहरे पर आई खुशी, अवदीवका पर हुआ कब्जा

मास्को । रूस-यूक्रेन युद्ध का 726वें दिन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खुश हो सकते हैं। खुश इसलिए क्योंकि रुसी सैनिकों ने एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। पूर्वी यूक्रेनी शहर अवदीवका पर रुसी सैनिकों ने कब्जा कर लिया है। पिछले साल मई में बखमुत शहर पर कब्ज़ा करने के बाद मॉस्को में अवदीवका का पतन देश की सबसे बड़ी जीत है और पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश देकर पूर्ण पैमाने पर युद्ध शुरू करने के लगभग दो साल बाद यह जीत हुई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में सैनिक संयंत्र की एक इमारत पर रूसी झंडा फहराते हुए दिखाई दिये। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख ने कहा था कि उन्होंने पूर्वी यूक्रेन में स्थित अवदिवका शहर से सैनिक वापस बुला लिया हैं, जहां बड़ी संख्या में सैनिकों ने पिछले चार महीनों में रूसी हमले का माकूल जवाब दिया। यूक्रेनी कमांडर कर्नल जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने कहा कि उन्होंने यह फैसला घेरेबंदी से बचने और सैनिकों के जीवन की रक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। कमांडर इन चीफ ने कहा कि सैनिकों को दूसरे माकूल स्थानों पर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने पूरी निष्ठा के साथ अपना सैन्य कर्तव्य निभाया और सर्वश्रेष्ठ रूसी सैन्य इकाइयों को नष्ट करने का हर संभव प्रयास किया। हमारी सेना ने संख्याबल और उपकरणों के मामले में भी दुश्मन को काफी नुकसान पहुंचाया है। बयान के मुताबिक, हम हालात को स्थिर बनाने और अपनी जगहों पर बने रहने के लिए कदम उठा रहे हैं।

मालदीव में भारत की परियोजनाओं में आई तेजी, रिपोर्ट में बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल परियोजनाओं में तेजी आने के साथ भारत ने मालदीव को विकास सहायता बढ़ा दी है, जबकि मालदीव के नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारतीय सैनिकों को अपना देश छोड़ने की मांग को लेकर संबंधों में खटास आ गई है। जैसा कि वैश्विक शक्तियां भारत-प्रशांत क्षेत्र में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, भारत और चीन ने हिंद महासागर के राष्ट्र को लुभाने की कोशिश की है, जो परंपरागत रूप से पड़ोसी भारत के करीब रहा है, लेकिन हाल ही में मुइज्जू के तहत चीन की ओर झुका है। एक भारतीय अधिकारी और सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, नई दिल्ली ने मार्च में समाप्त होने वाले इस वित्तीय वर्ष के दौरान मालदीव में परियोजनाओं पर लगभग 7.71 बिलियन रुपये (93 मिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च किए हैं, या अपने बजट 4 बिलियन का लगभग दोगुना।

यह तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद आया है क्योंकि अक्टूबर में मुइज्जू ने देश की ÷भारत प्रथम÷ नीति को समाप्त करने और लगभग 80 भारतीय सैनिकों को हटाने का वादा करते हुए कार्यालय में प्रवेश किया था। मामले की जानकारी रखने वाले एक भारतीय अधिकारी ने कहा कि %%बाधाओं के बावजूद, %%विकास सहयोग नहीं बदला है या बंद नहीं हुआ है।%% उन्होंने कहा कि नई दिल्ली के पास माले के लिए दोहरी भागीदारी की रणनीति है। अधिकारी ने कहा बल्कि, परियोजनाओं की गति तेज़ है। इस वित्तीय वर्ष में भारत के बढ़े हुए आवंटन को तेज़ गति के लिए जिम्मेदार ठहराया। मुइज्जू के कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

इन प्रयासों में माले के चारों ओर सड़कों और पुलों के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की परियोजना और द्वीपसमूह के दूर-दराज के द्वीपों में लगभग 130 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दो हवाई अड्डे शामिल हैं, जो भारत से ऋण सहायता के माध्यम से समर्थित हैं।मुइज्जू ने पिछले महीने बीजिंग की राजकीय यात्रा की थी लेकिन अभी तक उन्होंने भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों देश इस महीने मई तक सैनिकों को बदलने पर सहमत हुए। भारत का कहना है कि वे उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए विमानों का उपयोग करके मानवीय सहायता और चिकित्सा निकासी में सहायता प्रदान करते हैं।

टिकटॉक बैन करने वाला आखिरी राष्ट्र नहीं हो सकता अमेरिका, निक्की हेली ने भारत का नाम लेकर क्या कहा?

न्यूयॉक (एजेंसी)। चीनी स्वामित्व वाले ऐप टिकटॉक को खतरनाक बताते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने कहा है कि जब भारत और नेपाल जैसे देशों ने इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया है, तो अमेरिका ऐसा करने वाला आखिरी देश नहीं हो सकता। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय-अमेरिकी पूर्व अमेरिकी राजदूत हेली ने फॉक्स न्यूज टाउन हॉल के दौरान कहा, हर किसी को यह जानने की जरूरत है कि चीन उन सभी को नियंत्रित कर रहा है। हेली ने कहा कि यदि आप जानना चाहते हैं कि यह आपको कैसे प्रभावित करता है, तो बस अपने फ़ोन पर उस ऐप के होने की कल्पना करें। चीन अब आपके वित्त को देख सकता है, वे अब देख सकते हैं कि आपके संपर्क कौन हैं। वे देख सकते हैं कि आप किस पर क्लिक करते हैं, आप उस पर क्यों क्लिक करते हैं और इसका आप पर क्या प्रभाव पड़ता है। वे आप जो देखते हैं उसे प्रभावित कर सकते हैं। और वे आप जो सुनते हैं उस पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह टिकटॉक का खतरनाक हिस्सा है। भारत ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। आपने नेपाल पर सिर्फ इसलिए प्रतिबंध लगा दिया था क्योंकि इससे सामाजिक व्यवधान पैदा हो रहा था। अमेरिका टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाला आखिरी देश नहीं हो सकता।

हेली ने एक सवाल के जवाब में कहा कि आइए इसे अब खत्म करें और रोकें, ताकि यह हमारे बच्चों को और अधिक नुकसान न पहुंचाए। कई अमेरिकी सांसदों ने टिकटॉक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री ऑनलाइन फैलाने का आरोप लगाया है जो बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा करने में विफल रही है। यह ऐप युवा लोगों के लिए आवश्यक है, जिनमें अमेरिका में मतदान करने की उम्र वाले लोग भी शामिल हैं। 2023 के अंत में जारी प्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में 18-29 साल के लगभग एक तिहाई लोगों ने कहा कि उन्हें टिकटॉक पर नियमित रूप से समाचार मिलते हैं, जो पहले से कहीं अधिक है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2024 की लिस्ट में भारत की रैंकिंग चौंकाने वाली, फ्रांस का पासपोर्ट सबसे ताकतवर

लंदन (एजेंसी)। 2024 के लिए हेनले पासपोर्ट इंडेक्स जारी कर दिया गया है, जिसमें फ्रांस ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि भारत की पासपोर्ट रैंकिंग पिछले साल से एक स्थान फिसलकर 84वें से 85वें स्थान पर आ गई है। भारत की रैंकिंग में यह गिरावट हैरानी भरी हो सकती है, क्योंकि पिछले साल जहां भारतीय पासपोर्ट धारक 60 देशों की वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते थे, वहीं इस साल यह संख्या बढ़कर 62 हो गई है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स देशों को उनके पासपोर्ट की ताकत के आधार पर रैंक करता है। 2024 में, फ्रांस इस सूची में सबसे आगे है, जिसके पासपोर्ट से 194 देशों में वीज़ा-मुक्त पहुंच प्रदान की जाती है।

फ्रांस के साथ जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन भी शीर्ष क्रम वाले देशों में से हैं। इस बीच, पाकिस्तान पिछले साल की तरह 106वें स्थान पर बरकरार है, जबकि बांग्लादेश 101वें से फिसलकर 102वें स्थान पर आ गया है। भारत के पड़ोसी देश मालदीव का पासपोर्ट मजबूत बना हुआ है और वह 58वें स्थान पर कायम है, मालदीव के पासपोर्ट धारक 96 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा का आनंद ले रहे हैं। ईरान, मलेशिया और थाईलैंड द्वारा भारतीय पर्यटकों के लिए वीज़ा-मुक्त प्रवेश की हालिया घोषणा के बाद भी भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स पिछले 19 वर्षों के डेटा से अपनी रैंकिंग प्राप्त करता है, जो इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के विशेष डेटा पर आधारित है, जिसमें दुनिया भर में 199 विभिन्न पासपोर्ट और 227 यात्रा गंतव्यों को शामिल किया गया है।

सूचकांक मासिक रूप से अद्यतन किया जाता है और स्वतंत्र देशों के नागरिकों के लिए वैश्विक मानक के रूप में कार्य करता है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स का डेटा पिछले दो दशकों में वैश्विक गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलावों का संकेत देता है। 2006 में, लोग औसतन 58 देशों में वीज़ा-मुक्त यात्रा कर सकते थे, जबकि इस वर्ष यह संख्या लगभग दोगुनी होकर 111 देशों तक पहुँच गई है।

महान देशभक्त...कोर्ट ने ट्रंप पर लगाया 355 मिलियन डॉलर का जुर्माना, अमेरिकी ट्रक ड्राइवरों ने न्यूयॉर्क शहर में शिपमेंट से किया इनकार

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रक ड्राइवरों के एक समूह की प्रशंसा की। ट्रक ड्राइवरों के एक समूह ने ट्रंप के खिलाफ 355 मिलियन डॉलर के धोखाधड़ी के फैसले के बाद न्यूयॉर्क शहर में आने वाले शिपमेंट को ठुकराने की योजना बनाई है। ट्रम्प का समर्थन करने वाले ट्रक ड्राइवरों के एक समूह ने हाल ही में घोषणा की कि वे नागरिक धोखाधड़ी के फैसले पर अपना असंतोष प्रदर्शित करने के लिए न्यूयॉर्क शहर नहीं जाएंगे, जिसमें पिछले सप्ताह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को 355 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। ट्रक ड्राइवरों को महान देशभक्त कहते हुए ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उनका स्वतंत्रता के पक्ष में होना एक सम्मान है।

जो बाइडेन का कानून प्रवर्तन का अनुचित और खतरनाक हथियारीकरण लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है। अमेरिका को फिर से महान बनाएं! एक रूढ़िवादी सोशल मीडिया प्रभावकार और ट्रक चालक, शिकागो रे ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनके कुछ सहयोगियों ने अदालत के फैसले के विरोध में न्यूयॉर्क शहर में गाड़ी चलाने से इनकार कर दिया है। रे ने वीडियो में कहा कि मैं पिछले एक घंटे से रेडियो पर ड्राइवरों से बात कर रहा हूं और मैंने लगभग दस ड्राइवरों से बात की है... और वे सोमवार से न्यूयॉर्क शहर के लिए सामान लेने से मना करना शुरू कर देंगे।

उन्होंने कहा कि उनके कुछ सहकर्मियों ने पहले ही अपने प्रबंधकों को सूचित कर दिया है कि वे न्यूयॉर्क शहर की यात्रा नहीं करेंगे। मुझे नहीं पता कि यह देश भर में कितनी दूर है या कितने ट्रक चालक न्यूयॉर्क शहर जाने वाले माल से इनकार करना शुरू करने जा रहे हैं, लेकिन मैं आपको बताऊंगा - आप चारों ओर घूमें और पता लगाएं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके मालिकों को ÷कोई परवाह नहीं होगी अगर हम सामान देने से इनकार कर दें हम बस कहीं और चले जाएंगे।

इस मुस्लिम देश को पंसद आई भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस

जकार्ता । दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो चुने गए हैं। जानकारों के मुताबिक सुबिआंतो के सत्ता में आने के बाद अब भारत के साथ रिश्ते और मजबूत हो सकते हैं। सुबिआंतो ने फिलीपींस की तरह से ही भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस को खरीदने की इच्छा जाहिर की है। यही नहीं सुबिआंतो अब इंडोनेशिया के स्कूलों के अंदर भी मिड डे मील योजना को लागू कर सकते हैं। सुबिआंतो की तुलना पीएम मोदी से भी हो रही है, जिन्हें अमेरिका ने लंबे समय तक वीजा नहीं दिया था।

सुबिआंतो ने साल 2014 और साल 2019 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें जीत नहीं मिल सकी थी। इस बार इंडोनेशियाई सेना के स्पेशल फोर्सेस के कमांडर रह चुके सुबिआंतो को इस बार इतने वोट मिल गए हैं कि वह आसानी से राष?ट्रपति बन जाएंगे। सुबिआंतो सेना से रिटायर हैं और पड़ोसी भारत के साथ मजबूत रिश्तों की वकालत करते हैं। भारत और इंडोनेशिया की समुद्री सीमा मिलती हैं। साल 2020 में कोरोना संकट के बाद भी सुबिआंतो भारत के दौरे पर आए थे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। वह भारत के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करना चाहते थे। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल समझौता शामिल है।

फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया ऐसा दूसरा देश होगा जो ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा। इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर बनाया है। भारत और इंडोनेशिया में भारतीय ब्रह्मास्त्र की खरीद को लेकर बातचीत हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक सुबिआंतो भारत की बहुत सफल मिड डे मील और दूध योजना को अपने देश में स्कूलों लागू कर सकते हैं। सुबिआंतो ने चुनाव प्रचार के दौरान इसका कई बार उल्लेख किया था। सुबिआंतो के भाई हाशिम देश के बड़े उद्योगपति हैं और उनके भारत में काफी ज्यादा बिजनस संबंध हैं। निजी बातचीत में सुबिआंतो एशिया में गठबंधन बनाने की वकालत करते हैं जिसमें भारत भी शामिल है।

मिलेंगे बिलावल-शहबाज, सरकार बनाने को लेकर क्या गतिरोध होगा खत्म?

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान की दो प्रमुख पार्टियाँ अनिर्णायक चुनाव के बाद अल्पसंख्यक गठबंधन सरकार बनाने पर मतभेदों को दूर करने के लिए सोमवार को मिलने वाली हैं। पार्टी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, इसकी राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता को रेखांकित करते हुए। विश्लेषकों का कहना है कि 241 मिलियन के परमाणु-सशस्त्र राष्ट्र, जो धीमी वृद्धि और रिकॉर्ड मुद्रास्फीति के साथ-साथ बढ़ती आतंकवादी हिंसा के बीच आर्थिक संकट से जूझ रहा है, को कठोर निर्णय लेने के अधिकार के साथ एक स्थिर सरकार की आवश्यकता है।पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को उनकी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी द्वारा फिर से देश का नेतृत्व करने के लिए नामित किए जाने के बाद सोमवार की वार्ता इस तरह का पांचवां दौर होगा। बातचीत में नेतृत्व कर रहे शरीफ की पार्टी के सीनेटर इशाक डार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि दोनों पार्टियां अभी तक अंतिम बिंदुओं पर सहमत नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता-साझाकरण के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर बातचीत चल रही है। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने पीएमएल-एन को सशर्त समर्थन देने की घोषणा करते हुए कहा है कि वह सरकार बनाने के लिए शरीफ को वोट देगी, लेकिन कैबिनेट में पद नहीं लेगी। डार ने घरेलू प्रसारक जियो टीवी को बताया कि मैं पुष्टि कर सकता हूं कि सैद्धांतिक रूप से यह निर्णय लिया गया है कि राजनीतिक दल गठबंधन सरकार बनाएंगे।

72 वर्षीय शरीफ अगस्त तक 16 महीने तक दक्षिण एशियाई देश के प्रधान मंत्री थे, को उनके बड़े भाई नवाज शरीफ, जो पीएमएल-एन प्रमुख हैं, ने अगले प्रधान मंत्री बनने के लिए गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। पाकिस्तान ने पिछली गर्मियों में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 3 अरब डॉलर की सहायता के साथ एक संप्रभु डिफ़ॉल्ट को बाल-बाल बचा लिया था, लेकिन ऋणदाता का समर्थन मार्च में समाप्त हो रहा है, जिसके बाद एक नए, विस्तारित कार्यक्रम की आवश्यकता होगी। एक नए कार्यक्रम पर और तेजी से बातचीत करना नई सरकार के लिए महत्वपूर्ण होगा।

हिमाचल में बर्फबारी का दौर शुरु, पहाड़ों ने ओढ़ी सफेद चादर

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का दौर एक बार फिर शुरु हो चुका है। किन्नौर, लाहौल स्पीति, कुल्लू और चंबा के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। पिछले 24 घंटे में हुई बर्फबारी के दौरान रोहतांग में 4 इंच, कोकसर में 2 इंच, सिस्सू में 1 इंच और लाहौल स्पीति के गोंदला में डेढ़ फीट बर्फबारी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बदले मौसम को देखते हुए भारी बर्फबारी पर रेड अलर्ट जारी किया है। अलर्ट में सात जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और मंडी के पहाड़ी क्षेत्र को रखा गया है। जहां तक राजधानी शिमला की बात है तो सोमवार सुबह शिमला के ऊपरी क्षेत्र नारकंडा और खड़ा पत्थर में हल्की बर्फबारी हुई है। शिमला शहर में भी बर्फबारी होने की संभावना बनी हुई है। शिमला पहुंचे पर्यटकों को उम्मीद है कि उन्हें लाइव बर्फबारी देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि फरवरी माह में यह दूसरी बार है जब बर्फबारी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। बिगड़े मौसम को देखते हुए प्रशासन ने भी अपनी ओर से लोगों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। बर्फबारी के दौरान पहाड़ी क्षेत्र की ओर जाने से मना किया गया है। इसके अलावा पर्यटकों को घूमने के लिए पहाड़ी क्षेत्र के एक्सपर्ट चालक को साथ रखने की हिदायत दी गई है। वहीं बर्फबारी के दौरान परिवहन, बिजली और पानी में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। मौसम विभाग ने यह अलर्ट बुधवार तक के लिए जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को रेड अलर्ट, मंगलवार को ऑरेंज अलर्ट और बुधवार को येलो अलर्ट है। बहरहाल बर्फबारी के कारण ऐसा प्रतीत हो रहा है मानों पहाड़ी इलाकों ने सफेद चादर ओढ़ रखी है।

20 फरवरी को पीएम मोदी के दौरे से पहले जम्मू में सुरक्षा बढ़ाई

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 फरवरी को जम्मू के दौरे पर जाने वाले हैं। इससे पहले पहले जम्मू में सुरक्षा बढ़ादी गयी है। अधिकारियों ने शनिवार को अस्थायी रूप से ड्रोन, पैराग्लाइडर और रिमोट-नियंत्रित माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट्स को उड़ाने पर बैन लगा दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि यह आदेश तत्काल रूप से प्रभावी हुआ है जो 20 फरवरी तक जारी रहेगा। आदेश का हवाला देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू जिले के अंदर ड्रोन, रिमोट-नियंत्रित माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट्स, पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंड ग्लाइडर और गर्म हवा के गुब्बारों पर प्रतिबंध रहेगा। प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी तत्वों की संभावित गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए एहतियात के तौर पर ये कदम उठाए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिबंध के अपवादों में वीवीआईपी यात्राओं के दौरान या जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से विशेष लिखित अनुमति के साथ सुरक्षा बलों द्वारा की जाने वाली हवाई निगरानी शामिल है।

खालिस्तानी पन्नू ने किसानों को उकसाया... सरकार के खिलाफ हथियार उठो लो

नई दिल्ली। खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू अब आंदोलन कर रहे किसानों को भड़कता दिख रहा है। मोदी सरकार के साथ वार्ता से पहले पन्नू ने एक वीडियो जारी कर किसानों को हथियार मुहैया कराने की भी पेशकश की थी। हालांकि, इस लेकर पुलिस की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। फिलहाल, किसानों ने सरकार की तरफ से एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मिले प्रस्ताव पर चर्चा करने की बात कही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वीडियो में शंभू और खनौरी सीमा पर आंदोलन कर रहे किसानों से पुलिस अधिकारियों पर हमले की अपील की थी। साथ ही पन्नू ने कहा था कि इस हमले के लिए हथियार करतारपुर सीमा पर उपलब्ध है। रिपोर्ट के मुताबिक, पन्नू का कहना था, भारतीय गोलियों से लड़ने के लिए खुद हथियार उठा लें। पाकिस्तान के पास करतारपुर सीमा पर हथियार उपलब्ध हैं। रिपोर्ट में शीर्ष खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि यह किसानों को उकसाने की कोशिश थी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा, किसान अपने अधिकारों के तहत विरोध कर रहे हैं। कोई भी किसान एसएफजे की बात नहीं सुनेगा। केंद्र सरकार किसानों की परेशानियां सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है और बातचीत जारी है।

डीएमके के साथ गठबंधन कर इंडिया में शामिल होगी कमल हासन की पार्टी

चेन्नई। लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण के राज्य तमिलनाडु में भी गठबंधन की कवायद शुरू हो गई है। तमिलनाडू में सत्ताधारी डीएमके और अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मैय्यम (एमएनएम) के साथ आ

सकती हैं। सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच अब सीट शेयरिंग पर फाइनल बात चल रही है। जल्द ही दोनों साथ चुनाव लड़ने का ऐलान कर सकते हैं। बता दें कि कमल हासन ने पहले ही संकेत दिए थे कि वह डीएमके की अगुआई वाले गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस भी इसमें शामिल है। अब स्टालिन के साथ मुलाकात के बाद लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने का ऐलान किया जा सकता है। इस तरह वे विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हो सकते हैं। सूत्रों का कहा है कि एमएनएम को एक सीट देने का प्रस्ताव दिया गया है। इस सीट पर कमल हासन खुद चुनाव लड़ना चाहते हैं। एमएनएम का चुनावी निशान बैट्री टॉर्च है। एक सप्ताह पहले ही चुनाव आयोग ने उन्हें निशान दिया है। बता दें कि कमल हासन के साथ अगर गठबंधन फाइनल होता है, तब उनकी सीट फाइनल करने के लिए भी अन्य सहयोगी दलों के साथ कई चरणों की बातचीत हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि वह कोयंबटूर या फिर चेन्नई नॉर्थ से चुनाव लड़ना चाहते हैं। हालांकि दोनों ही सीटों पर फिलहाल डीएमके सांसद हैं।

प्रियंका गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी, डिहाइड्रेशन और पेट में संक्रमण की शिकायत बाद कराया गया था भर्ती

नई दिल्ली। सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को इस बात की जानकारी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांग्रेस महासचिव को डिहाइड्रेशन और पेट में संक्रमण की शिकायत के बाद 16 फरवरी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

खराब स्वास्थ्य के कारण वह 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश के चंदौली में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो पाईं। उन्होंने ट्विटर पर घोषणा की कि वह बीमार हो गई हैं और बेहतर होने पर यात्रा में शामिल होंगी। प्रियंका ने अपने ट्वीट में कहा कि मैं वास्तव में आज यूपी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा प्राप्त करने की प्रतीक्षा कर रहा था लेकिन दुर्भाग्य से, मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जैसे ही मैं बेहतर हो जाऊँगा मैं वहाँ पहुँच जाऊँगा! इस बीच, सभी यात्रियों, यूपी में मेरे सहयोगियों, जिन्होंने यात्रा की व्यवस्था करने के लिए कड़ी मेहनत की है और मेरे प्यारे भाई को आज चंदौली पहुंचने पर सफलता की शुभकामनाएं देता हूं। यात्रा 16 फरवरी को वाराणसी से होते हुए उत्तर प्रदेश में प्रवेश की और फिर भदोही, प्रयागराज और प्रतापगढ़ होते हुए 19 फरवरी को अमेठी पहुंची।

रात के अंधेरे में छुप-छुपकर मोदी-शाह से मिलते हैं फारूक-उमर, अब्दुल्ला परिवार को लेकर गुलाम नबी आजाद का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी राजनेता गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और फारूक अब्दुल्ला सार्वजनिक जांच से बचने के लिए रात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ गुप्त बैठकें करते हैं। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी प्रमुख ने इंडिया टुडे टीवी के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान यह आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि अब्दुल्ला श्रीनगर में कुछ और, जम्मू में कुछ और और दिल्ली में कुछ और कहते हैं। आज़ाद ने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी का नेतृत्व करने वाले अब्दुल्ला ने 2014 में भाजपा के साथ गठबंधन बनाने के लिए सोच-समझकर प्रयास किए थे।

हालिया साक्षात्कार का हवाला देते हुए जिसमें फारूक अब्दुल्ला ने भविष्य में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने का संकेत दिया था, बाद में उन्होंने इनकार कर दिया। उमर अब्दुल्ला ने पिता-पुत्र की जोड़ी पर दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया। आजाद ने कहा कि फारूक और उमर सरकार और विपक्ष दोनों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता ने खुलासा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) दोनों जम्मू-कश्मीर में भाजपा के साथ सरकार बनाने की बेताब कोशिश कर रहे हैं।

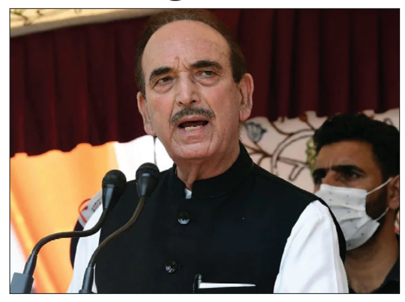

बता दें कि हाल ही में नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला के बयान के कुछ ही देर बाद आया है, जिन्होंने पत्रकारों से कहा था कि पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव और केंद्र शासित प्रदेश में संभावित विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। हालांकि, बाद में एनसी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी %इंडिया% गठबंधन का हिस्सा है और रहेगी। उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उनकी पार्टी विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' का घटक दल है और वह जम्मू-कश्मीर व लद्दाख की छह लोकसभा सीटों में से तीन को लेकर कांग्रेस के साथ बाचतीत कर रही है। बातों को दूसरे संदर्भ में लिया गया है।

फारूक अब्दुल्ला का गुलाम नबी आजाद पर पलटवार, बोले- मुझे मिलना होगा तो दिन में मिलूंगा, याद दिलाई ये बात

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने अनुभवी राजनेता गुलाम नबी आजाद के इस दावे का खंडन किया है कि वह सार्वजनिक जांच से बचने के लिए रात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की मांग करते थे। माचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर मुझे पीएम मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलना है तो मैं उनसे दिन में मिलूंगा, मैं उनसे रात में क्यों मिलूंगा? उन्होंने ऐसा क्या सोचा है?'' क्या कारण है कि उन्होंने फारूक अब्दुल्ला को बदनाम करने की सोची है?' फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जब कोई उन्हें राज्यसभा सीट नहीं देना चाहता था तो मैंने ही उन्हें राज्यसभा सीट दी... लेकिन आज वह यह सब कह रहे हैं।' उन्हें अपने एजेंटों के नाम बताने चाहिए जो पीएम और केंद्रीय गृह मंत्री के आवास पर बैठे हैं। उन्हें लोगों को बताना चाहिए ताकि वे सच्चाई समझ सकें। फारूक अब्दुल्ला गुलाम नबी आजाद के विशेष साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहां पूर्व कांग्रेस नेता ने उन पर 'दोहरेपन' का आरोप लगाया था।

मायावती ने कहा- हम अटल हैं अकेले ही लड़ेंगे चुनाव

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव में बसपा किसी दूसरे दल के साथ चुनाव लड़ सकती है। कुछ इसी तरह की खबरें बीते कई दिनों से सियासी गलियों में चल रहीं थी। मीडिया में भी इसकी चर्चा होने लगी। इसी बीच बीते रोज बसपा प्रमुख मायावती ने इन तमाम अटकलों को विराम देते हुए स्पष्ट कर दिया कि अफवाहों पर ध्यान देने की जरुरत नहीं है। बसपा अकेले ही चुनावी मैदान में उतरेगी। बसपा सुप्रीमो ने उनके किसी गठबंधन में शामिल होने की ख़बरों को लेकर भी निशाना साधा और कहा की पार्टी अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा, आगामी लोकसभा आमचुनाव बीएसपी द्वारा किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करने की बार-बार स्पष्ट घोषणा के बावजूद आएदिन गठबंधन सम्बंधी अफवाह फैलाना यह साबित करता है कि बीएसपी के बिना कुछ पार्टियों की यहाँ सही से दाल गलने वाली नहीं है, जबकि बीएसपी को अपने लोगों का हित सर्वोपरि है उन्होंने आगे कहा, अतः सर्वसमाज के ख़ासकर ग़रीबों, शोषितों एवं उपेक्षितों के हित व कल्याण के मद्देनज़र बीएसपी का देश भर में अपने लोगों के तन, मन, धन के सहारे अकेले अपने बलबूते पर लोकसभा आमचुनाव लड़ने का फैसला अटल है। लोग अफवाहों से ज़रूर सावधान रहें।

कमलनाथ से कमल को कितना फायदा, बीजेपी के खेल से कांग्रेस की जेब पर कैसे होगा वार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गांधी नेहरू परिवार के बेहद करीबी कमलनाथ इन दिनों सुर्खियों में हैं। दावा किया जा रहा है कि कमलनाथ अपने बेटे और छिंदवाड़ा से सांसद नकुलनाथ के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इतना ही नहीं, खबर तो यह भी है कि कमलनाथ के साथ मध्य प्रदेश कांग्रेस के कई विधायक और बड़े नेता भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने से भगवा पार्टी को क्या फायदा होगा? हम यह भी जानेंगे की कमलनाथ कांग्रेस से क्यों नाराज है?

मनोवैज्ञानिक लाभ -भाजपा को कमलनाथ के शामिल होने के बाद चुनाव से पहले मनोवैज्ञानिक लाभ मिल सकता है। भाजपा का मानना है कि एक, कि महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के ठीक बाद पार्टी में उनके प्रवेश से यह संदेश जाएगा कि कांग्रेस इतनी बुरी तरह ढह गई है कि वह अपने पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी बरकरार नहीं रख सकती है। यह भाजपा को अपने प्रतिद्वंद्वी से कहीं आगे, देश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में भी रेखांकित करेगा। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस, जो पहले से ही अपने राजनीतिक प्रभाव में गिरावट के कारण नकदी की कमी से जूझ रही है, को भी कमलनाथ की धन जुटाने की क्षमताओं का नुकसान महसूस होगा। भाजपा के एक राज्य नेता ने कहा कि उम्मीद है कि

कमलनाथ अपने क्षेत्र छिंदवाड़ा के वफादारों के साथ-साथ जबलपुर और कुछ अन्य स्थानों से भी जुड़ेंगे। इससे यह धारणा मजबूत होगी कि दूसरे राज्य में कांग्रेस का पतन हो रहा है, जहां वह मजबूत रही है।

भाजपा को क्या होगा फायदा- कमलनाथ के भाजपा में आने से कांग्रेस को आर्थिक नुकसान होगा जिसकी वजह से इलेक्शन कैंपेन में उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत है वहां भी टूट की संभावनाएं बढ़ेगी जिससे भाजपा को विस्तार का एक बड़ा मौका मिलेगा। मध्य प्रदेश के लिहाज से भाजपा कमलनाथ को साधने के बाद वहां कांग्रेस के पावर सेंटर को खत्म करने की कोशिश करेगी। मध्य प्रदेश की राजनीति में कमलनाथ काफी लंबे समय से कांग्रेस के लिए पावर सेंटर रहे हैं। इसके अलावा छिंदवाड़ा और आसपास के क्षेत्र जो कांग्रेस के लिए गढ़ माने जाते हैं वहां भाजपा को तो फायदा होगा ही साथ ही साथ मध्य प्रदेश की सीमा से लगे महाराष्ट्र के वह क्षेत्र जहां कांग्रेस अच्छी स्थिति में है, वहां भी भाजपा फायदा उठा सकती है।

कमलनाथ नाराज क्यों?- कांग्रेस आलाकमान द्वारा मध्य प्रदेश चुनाव में पार्टी की हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद से ही कमलनाथ भाजपा नेताओं के संपर्क में थे। उन्हें मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया और राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता भी नहीं बनाया गया। राज्यसभा उम्मीदवारी के लिए अशोक सिंह के नाम की घोषणा से भी कमलनाथ नाराज थे। कमलनाथ को राज्यसभा की चाहत थी। कमलनाथ की नाराजगी की एक और वजह बताई जा रही है। कमलनाथ अब 78 साल के हो गए हैं। वह राजनीति में कितने वर्षों तक सक्रिय रहेंगे, इसको लेकर भी सवाल है। फिलहाल भाजपा कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा को लेकर काफी एग्रेसिव है। छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुलनाथ सांसद हैं। छिंदवाड़ा में कमलनाथ का घेराव करने के लिए कैलाश विजयवर्गीय जैसे बड़े नेता को भाजपा ने प्रभार दे दिया है। 2023 के विधानसभा चुनाव में छिंदवाड़ा के सात सीटों पर कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस को जीत तो मिल गई लेकिन अंतर बहुत कम हो गया। ऐसे में कमलनाथ अपने बेटे नकुलनाथ के भविष्य को लेकर चिंतित है। कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को देखते हुए वह अपने बेटे को भाजपा में सेट करने की कोशिश में हैं। इससे उनका गढ़ छिंदवाड़ा का किला भी बच जाएगा और नकुलनाथ के लिए आगे की राजनीति आसान भी रह सकती हैं।

राज ठाकरे होंगे एनडीए में शामिल, मुंबई भाजपा अध्यक्ष की मुलाकात के बाद अटकलें तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के एनडीए में शामिल होने की अटकलें तेज हो गईं हैं। दरअसल मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार द्वारा राज ठाकरे से उनके आवास में मुलाकात की गई थी, इसके बाद से ही यह अफवाह फैल गई कि राज ठाकरे एनडीए में शामिल होने जा रहे हैं। यहां बतलाते चलें कि सोमवार सुबह ही दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में तकरीबन एक घंटे तक बातचीत चली है। सूत्रों की मानें तो इस दौरान उनके बीच कोई तीसरा व्यक्ति भी मौजूद नहीं था।

इस मुलाकात के बाद से ही प्रदेश में शिवसेना-बीजेपी-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के साथ एमएनएस के संभावित चुनावी समझौते की चर्चाएं आम हो गई हैं। यह अलग बात है कि इस संबंध में दोनों पक्षों ने किसी प्रकार की कोई टिप्पणी नहीं की है। यदि किसी ने राज ठाकरे से इस संबंध में सवाल भी किया तो उन्होंने कोई सीधा जवाब भी नहीं दिया है। यही वजह है कि उनके एनडीए में शामिल होने की अफवाह को पंख लगे

हुए हैं। एक जगह जब आशीष सेलार के साथ हुई मुलाकात पर राज ठाकरे से पूछा गया तो उन्होंने गोलमोल जवाब देते हुए कह दिया कि आज चर्चा के लिए मेरा विषय अलग है। चुनाव के संबंध में जब बात करनी होगी तब जरुर बताऊंगा। इसी तरह जब मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार से सवाल किया गया तो उन्होंने भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और कहा, कि सियासी मीटिंग होती रहती हैं, अगर कुछ भी होगा तो देवेंद्र फडणवीस बताएंगे। इन सब से हटकर एमएनएस के मुख्य प्रवक्ता संदीप देशपांडे का कहना था कि राज ठाकरे और आशीष शेलार आपस में अच्छे दोस्त भी हैं, ऐसे में वे दोनों नियमित रूप से मिलते रहते हैं। इसलिए उनकी मुलाकात पर ज्यादा कुछ नहीं समझा जाना चाहिए।

ओवैसी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना कहा-मुसलमानों को हाशिए पर डाला, मस्जिदें रखें आबाद

अकोला (एजेंसी)। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली की। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस देश में मुसलमानों को हाशिए पर खड़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि जैसा हिटलर के जमाने में यहूदी महसूस करते थे ठीक वैसा ही आज के समय में देश के मुसलमान करते हैं। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में बैठे चौधरियों को बताना चाहूंगा कि आज अगर नरेंद्र मोदी जीतते हैं तो मुसलमान की वजह से नहीं उन्होंने अपनी छवि बना ली है हिंदू हृदय सम्राट की। वह सभी मेजॉरिटी कम्युनिटी को एक करने की कोशिश कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने भारत की सियासत में मुसलमान को मार्जिनलाइज्ड करके रख दिया।

एआईएमआईएम चीफ ने इस रैली में आगे कहा, सुप्रीम कोर्ट ने आस्था के आधार पर फैसला देकर पूरे मुल्क को यह पैगाम दे दिया कि आस्था बड़ी है और एविडेंस को नहीं देखा जाएगा। मैं आपसे अपील कर रहा हूं कि खुद के लिए अपनी अपनी मस्जिदों को आबाद रखो। यह कौन सी मोहब्बत है की

मस्जिद को हमसे छीनने की पूरी कोशिश की जा रही है। दिल्ली में एक 500 साल पुरानी मस्जिद को बगैर किसी नोटिस के शहीद कर दिया गया। 600 साल पुरानी मस्जिद और कब्रिस्तान को भी शहीद कर दिया गया। हम यही पूछना चाहते हैं कि इस मुल्क में बीजेपी क्या करना चाहती है। बाबरी मस्जिद को लेकर उन्होंने कहा, आज हम देख रहे हैं ज्ञानवापी मस्जिद में क्या हो रहा है, प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी कहती है कि 22 जनवरी इस मुल्क का तारीखी दिन था, मैंने पार्लियामेंट में इस बात को रखा कि अगर 22 जनवरी तारीखी दिन था तो इसकी बुनियाद 6 दिसंबर 1992 को रखी गई। अगर 22 जनवरी तारीखी ही दिन था तो इसकी बुनियाद 1986 में ताले खोल कर रखी गई। अगर वह तारीखी दिन था तो जीबी पंत ने उसमें मूर्तियां रखकर 22 जनवरी को तारीखी दिन बनाया।

ममता बनर्जी का आरोप, एनआरसी लाने से पहले बंगाल में निष्क्रिय किए गए आधार कार्ड, पीएम मोदी को लिखा पत्र

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार उन लोगों को वैकल्पिक पहचान पत्र प्रदान करेगी जिनके आधार कार्ड 'निष्क्रिय' कर दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आधार शिकायत पोर्टल मंगलवार से काम करना शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से कहूंगी कि अगर उनका आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिया गया है तो वे पोर्टल को सूचित करें। उन्हें एक वैकल्पिक पहचान पत्र देंगे, उनकी तस्वीरें लेंगे और उसे जारी करेंगे ताकि बंगाल के लोग उन्हें मिलने वाले लाभों से वंचित न रहें। अगर आधार कार्ड नहीं है तो चिंता न करें। हम दूसरा कार्ड जारी करेंगे। हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। यदि जरूरत पड़ी तो हम एक अलग कार्ड जारी करेंगे ताकि कोई भी हमारी सामाजिक कल्याण योजनाओं से वंचित न रहे।

ममता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि मैं भाजपा से पूछती हूं कि वे यह गंदा खेल क्यों खेल रहे

हैं?... वे लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार, लाभार्थियों का अधिकार छीन रहे हैं, हम बंगाल में NRC लागू नहीं होने देंगे। हम अपना खून देने के लिए तैयार हैं लेकिन हम बंगाल के किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं जाने देंगे। उन्होंने का कि जिन लोगों का नाम काटा जा रहा है उन्हें हम एक अलग कार्ड देंगे... किसी गरीब के साथ हम गलत नहीं होने देंगे। हमने एक पोर्टल तैयार किया है, जिसका नाम 'आधार ग्रीवेंस पोर्टल ऑफ वेस्ट बंगाल गवर्नमेंट' है। जिनका आधार कार्ड निष्क्रिय किया गया है वे हमें जल्द से जल्द बताएं जिससे उन्हें उनके गणतांत्रिक, सामाजिक, आर्थिक अधिकार मिलते रहें।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जहां प्रशासन प्रशासन की तरह काम कर रहा है वहां उन्हें अपना काम करने की स्वतंत्रता दें... हमने कैंप लगाएं हैं ताकि जिन लोगों को समस्याएं हैं वे आएं हमें बताएं और हम उसे दूर कर दें। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि मैं आधार कार्डों को लापरवाही से निष्क्रिय करने की कड़ी निंदा करता हूं, खासकर पश्चिम बंगाल में एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों को निशाना बनाकर... हम सभी भारत के नागरिक हैं। प्रत्येक निवासी पश्चिम बंगाल सरकार के कल्याणकारी लाभों का लाभ उठा सकता है, भले ही उनके पास आधार कार्ड हो या नहीं।

पीडीए के बहाने अखिलेश पर गुस्सा निकाल रहे उनके अपने, सपा छोड़ने वालों की बढ़ रही संख्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत पीडीए यानी (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) है। इसी वर्ग ने सपा को कई बार उत्तर प्रदेश में सत्ता की बागडोर सौंपी है। पीडीए और सपा के बीच विश्वास का यह रिश्ता अब दरकने लगा है। जिसके लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि अखिलेश पीडीए के महत्व को समझ नहीं रहे हैं। अपनी मनमानी के कारण उनके हाथ से जमीनी पकड़ वाले नेता खिसकते जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने जया बच्चन और आलोक रंजन को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने का एलान किया पार्टी में घमासान मच गया। स्वामी प्रसाद ने पार्टी पर भेदभाव का आरोप लगाकर राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफ़ा दे दिया। स्वामी प्रसाद मौर्य के एलान के कुछ घंटों बाद ही अपना दल कमेरावादी और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी पीडीए को लेकर खुलकर मोर्चा खोल दिया और कहा कि पार्टी में इसकी उपेक्षा की जा रही है। वो सपा प्रत्याशी को वोट नहीं करेंगी। उन्होंने राज्यसभा के लिए पिछड़े या अल्पसंख्यक को प्रत्याशी न बनाए जाने पर आपत्ति जताई। इससे पहले कि अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य और पल्लवी पटेल की नाराज़गी को दूर कर पाते सपा को एक और करारा झटका लगा। 16 फ़रवरी को प्रदेश सचिव कमलाकांत गौतम ने भी पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद रविवार को बदायूँ से पांच बार सांसद रहे सलीम शेरवानी ने भी पार्टी महासचिव पद से इस्तीफ़ा दे दिया। सलीम शेरवानी ने भी सपा पर अल्पसंख्यकों की उपेक्षा का आरोप लगाया। वो भी किसी मुस्लिम को राज्यसभा नहीं भेजे जाने से नाराज हैं। अखिलेश यादव से नाराजगी सिर्फ सपा नेताओं में ही नहीं बल्कि उनके सहयोगियों में भी देखने को मिल रही है।

रोचक है अमेठी की जंग, एक बार फिर आमने सामने दिखे राहुल और स्मृति इरानी

अमेठी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की हाईप्रोफाइल लोकसभा सीट अमेठी एक बार फिर चर्चा में है। यहां का चुनावी मुकाबला काफी रोचक होता रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने स्मृति ईरानी को 90 हजार वोटों से हराया था। इसके बाद 2019 में स्मृति ने राहुल को पटकनी देते हुए 55 हजार वोटो से हरा दिया। इस तरह दोनो नेताओं ने एक दूसरे से बदला लेकर हिसाब बराबर कर लिया। अब 2024 में फिर लोकसभा चुनाव हो रहे हैं अमेठी पर नेताओं से लेकर आमजनों तक की नजरें टिकी हुई हैं। राहुल बनाम स्मृति ईरानी की चुनावी जंग होगी या नहीं होगी इसे लेकर असमंजस है। लेकिन ये स्पष्ट है कि आज राहुल और स्मृति ईरानी का आमना सामना अमेठी में होना है। आज ही स्मृति अमेठी पहुंच रहीं है तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी अमेठी पहुंचेगी।

आज दोपहर 3 बजे राहुल की न्याय यात्रा अमेठी में प्रवेश करेगी। राहुल गांधी कोहरा ककवा से अमेठी की सीमा में प्रवेश करेंगे। राहुल गांधी पुलिस लाइन, ककवा ओवर ब्रिज, गांधी चौक, जामा मस्जिद, सागर तिराहा, देवी पाटन और वारामासी से होकर गौरीगंज के गांधी नगर टोल प्लाजा के पास पहुंचेंगे। यहां राहुल गांधी जनसभा करेंगे। इस जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। 15 साल अमेठी से सांसद रहे राहुल गांधी 2019 में हार के बाद अमेठी में कम सक्रिय हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव से चंद हफ्ते पहले राहुल के अमेठी पहुंचने पर अटकलें तेज हैं। अटकलें इसलिए भी है क्योंकि यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष घोषणा कर चुके हैं कि राहुल अगला चुनाव अमेठी से ही लड़ेंगे। आज जब राहुल गांधी अमेठी पहुंचेंगे इससे पहले स्मृति ईरानी अमेठी पहुंच चुकी होंगी। स्मृति टीकरमाफी, भादर, भावापुर, रतापुर, सोनारी कला, रामगंज, नगर डीह, खाझा और नेवडिया में जन संवाद करेंगी। राहुल रात को फुर्सतगंज के अकेलवा मैदान में रात्रि विश्राम करेंगे। फिर अगली सुबह उनकी यात्रा रायबरेली की तरफ निकल जाएगी। लेकिन स्मृति ईरानी अगले चार दिन अमेठी में रहेंगी। आज अमेठी में राहुल वर्सेस स्मृति ईरानी का जो माहौल दिखेगा उसकी शुरुआत 2014 में तब हुई थी जब स्मृति ईरानी राहुल के खिलाफ चुनाव लड़ने अमेठी आईं थी। राहुल और स्मृति ईरानी अमेठी से दो चुनाव में एक दूसरे के सामने रहे हैं। 2014 में राहुल गांधी ने स्मृति ईरानी को

करीब 90 हजार वोट से हराया था। 2019 में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को करीब 55 हजार वोट से हराया था यानी अमेठी के चुनावी जंग में दोनों का स्कोर 1-1 से बराबर रहा है। हालांकि आज जब दोनों नेता अमेठी में होंगे तब भी एक दूसरे के आमने-सामने नहीं होंगे क्योंकि राहुल गांधी की न्याय यात्रा शहरी इलाकों से गुजरेगी वहीं स्मृति ईरानी ग्रामीण इलाकों में जनसंवाद करेंगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

वेसु के स्पा में एक-दो नहीं ७ थाई लड़कियां पकड़ी गईं

केबिन में क्लाइंट के साथ आपत्तीजनक हालत में पोई गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: शहर में एक बार फिर स्पा की आड़ में चल रहा गोरखधंधा पकड़ा गया है। पुलिस ने वेसू के एक होटल में स्पा की आड़ में विदेशी सेक्स वर्करों से जुड़े एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ७ विदेशी लड़कियों समेत कुल १४ लोगों को हिरासत में लिया है। स्पा मैनेजर चंचल राजपूत फरार है और उसे वांछित घोषित किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली कि वेसू के एक होटल में स्पा की आड़ में वेश्यावृत्ति चल रही है। इसलिए डीसीपी जोन ४ के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा वेसू के एंबेसी होटल में छापेमारी की गई। पुलिस ने जब स्पा में छापा मारा तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गई। यहां नियमित रूप से वेश्यावृत्ति का धंधा चल रहा था। यहां एक-दो नहीं बल्कि थाईलैंड की ७ लड़कियों से वेश्यावृत्ति की जा रही थी। स्पा में अलग-अलग केबिन बनाए गए थे, जिनमें लड़कियां ग्राहकों के साथ आपत्तीजनक हालत में मिली थीं।

पुलिस ने थाई नागरिकता वाली ७ लड़कियों के अलावा ७ ग्राहकों को भी पकड़ा। स्पा मैनेजर चंचल राजपूत होने की बात सामने आई।

छापेमारी के बाद से ही उसे वांछित घोषित कर दिया गया है। गिरफ्तार १४ लोगों को थाने ले जाया गया। जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

दो चचेरी बहनों की आत्महत्या:दो लड़कियों के शव फंदे से लटके मिले

'दुल्हन' की तरह गला दबाया, हाथों पर ब्लेड के घाव; प्रेमी ने शादी से इंकार करते हुए आत्महत्या कर ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलथाण इलाके में भगवान महावीर यूनिवर्सिटी के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दो चचेरी बहनों के शव झाड़ियों में लटके मिले। घटना की जानकारी होते ही पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की गहनता से जांच की है। जिसमें दोनों चचेरी बहनों ने दुल्हन की तरह सजधज कर पहले ब्लेड से वार करने के बाद फांसी लगा ली।

सूरत में दो लड़कियों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। अलथाण इलाके में दो लड़कियों के शव झाड़ियों से लटके मिले। घटना की जानकारी होने पर पुलिस का काफिला भी मौके पर पहुंच गया। दोनों लड़कियों के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों बहनों के हाथों पर ब्लेड के घाव लगे हैं, जिसका मतलब है कि पहले भी ब्लेड से आत्महत्या करने की कोशिश की गई थी। दोनों बहनों के शवों को देखकर ऐसा लग रहा है कि कोई शादी के लिए तैयार हुई हो। नीलम वर्मा और रोशनी वर्मा दोनों बहनें मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं और सूरत में रिटेल का काम करके परिवार की आर्थिक मदद करती हैं।

दोनों बहनें प्रेम विवाह करना चाहती थीं आशंका जताई जा रही है कि प्रेम प्रकरण में दोनों बहनों ने आत्महत्या की है। दोनों बहनों से प्रेम विवाह करना चाहता था और युवकों के साथ भागने की फिराक में थी। जब प्रेमीओं ने भागने से इनकार कर दिया तो दोनों बहनें टूट गईं और सुनसान जगह पर एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। लड़की का शव झाड़ी से लटका हुआ मिला। दोनों के शरीर पर चोट के निशान थे। जिसमें प्रेमीयों को डराने के लिए ब्लेड का इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस द्वारा लड़की के परिवार वालों की पहचान के लिए जांच की गई। इस पूरे मामले में पुलिस की ओर से गहन जांच की गई है। जेड आर देसाई (एसीपी) ने कहा कि दो लड़कियों को फांसी पर लटका हुआ पाया गया। दोनों के हाथों पर ब्लेड के घाव हैं और वे चचेरी बहन हैं।

पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की आगे कहा गया कि गहनता से जांच करने के बाद परिवार तक पहुंचा गया और पूछताछ के दौरान परिवार के छोटे-मोटे झगड़े की बात सामने आई है। दोनों बहनें कल रात घर नहीं आईं। तो खोजबीन के दौरान दोनों फंदे पर लटके मिले। फिलहाल पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरूकर दी है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के मिशन ८४ के तहत 'अमेरिका में उद्यमिता के अवसर' पर सेमिनार आयोजित

सूरत के आईटी क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के लिए अमेरिका में सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर: डॉ. जयेश सेठ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ के तहत सोमवार १९ फरवरी २०२४ को सुबह ११:०० बजे संहती बिल्डिंग, सरसाना, सूरत में 'अमेरिका में उद्यमिता के अवसर' विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया था। जिसमें अमेरिकन ध्वज इंक के चेयरमैन डॉ. जयेश सेठ द्वारा सूरत के उद्यमियों और व्यापारियों को अमेरिका में उद्यमिता और व्यापार के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन किया गया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने सत्र में सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा, अब पूरी दुनिया में भारत का स्वागत हो रहा है। खासकर जी-२० की अध्यक्षता के बाद भारत के लिए दुनिया के दरवाजे खुल गए हैं। मेक इन इंडिया के तहत भारत को पूरी दुनिया के लिए उत्पाद बनाने होंगे और उत्पादों के साथ-साथ सेवाएं भी विकसित करनी होंगी।

अमेरिका के ध्वज, इंक. के अध्यक्ष डॉ. जयेश शेठ ने कहा, अमेरिका ने हवा, पानी और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया है। अमेरिका ने पिछले ५० वर्षों से चीन में निवेश किया था, लेकिन अब अमेरिका चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। जब अमेरिका सहित देश और उद्योग भारत को एक

मेक इन इंडिया के तहत भारत को पूरी दुनिया के लिए उत्पाद बनाने के साथ-साथ सेवाएं भी विकसित करनी हैं- चैंबर अध्यक्ष रमेश वघासिया

अन्य विकल्प के रूप में देख रहे हैं और भारत में निवेश करने जा रहे हैं, तो मेक इन इंडिया के तहत भारत में निवेश और विनिर्माण बढ़ेगा, जिसमें स्वच्छ विनिर्माण के लिए प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा, अमेरिका भी भारत से तकनीक ले सकता है, इसलिए सूरत में आईटी क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के लिए अमेरिका में सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने जिस तरह से कोविड को संभाला है, उसे देखते हुए इसने ४ साल में ४० साल की प्रगति कर ली है। जिससे कि भारत में सेवा उद्योग का एक बहुत बड़ा अवसर आया है। उन्होंने कहा कि जहां अमेरिका इनोवेशन पर फोकस कर रहा है, वहीं भारत भी इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। विनिर्माण उद्योग और सेवा उद्योग से जुड़े उद्यमियों को अब अपनी मानसिकता बदलनी होगी और प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि विनिर्माण, लेखा और सेवा क्षेत्रों में सहकारी समितियों को लाना होगा। मेडिकल उपकरण और औद्योगिक पार्क बनाना होगा, क्वालिटी मैनेजमेंट करना होगा। फार्मा उद्योग बायो मेडिकल की ओर बढ़ रहे हैं। कैंसर अल्जाइमर में बहुत सारे नवाचार हो रहे हैं। नैनोटेक्नोलॉजी विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगति कर सकती है। सत्र में चैंबर ऑफ कॉमर्स के मानद मंत्री निखिल मद्रासी और सूरत के कपड़ा, रियल एस्टेट, फार्मास्युटिकल और आईटी क्षेत्र से जुड़े उद्यमी उपस्थित थे। मिशन ८४ के समन्वयक संजय पंजाबी ने एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ परियोजना प्रस्तुत की। अमेरिका अटलांटा के चतुरभाई चाभाया ने डॉ. जयेश सेठ का परिचय कराया गया। मिशन ८४ के सीईओ परेश भट्ट ने पूरे सत्र का संचालन किया। सत्र के अंत में डॉ. जयेश सेठ ने सूरत के उद्यमियों के विभिन्न प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया और फिर सत्र समाप्त हो गया।

वेसू में मॉडल तान्या भवानीसिंह ने प्रेम प्रकरण में आत्महत्या करने की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मॉडल के तौर पर काम करने वाली एक लड़की ने आत्महत्या कर ली। वेसू के हैप्पी एलिगेंस रेजीडेंसी में आत्महत्या की घटना घटी। तान्या भवानीसिंह ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। आशंका जताई जा रही है कि प्रेम प्रकरण में उसने आत्महत्या की है।

जानकारी के मुताबिक २८ वर्षीय तान्या भवानी सिंह मूल रूप से राजस्थान की रहने वाली हैं और वर्तमान में सूरत के वेसू इलाके में हैप्पी एलिगेंस रेजीडेंसी में अपने परिवार के साथ रहती हैं। तान्या के पिता एक मिल में काम करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। जबकि तान्या का एक और भाई है। आत्महत्या की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। हालाँकि, प्रेम प्रकरण की आशंका है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तान्या ने मॉडलिंग के क्षेत्र में बतौर मॉडल काम किया। तान्या कल देर रात घर आई। इसी बीच देर रात तान्या ने घर में आत्महत्या कर ली। सुबह बेटी को फंदे पर लटका देख परिजन सदमे में आ गए। तान्या के शव का पीएम अर्थ कर सिविल अस्पताल में रखवा दिया गया है और पुलिस इस संबंध में आगे की जांच कर रही है.

शिवाजी महाराज की ३९४वीं जयंती समारोह, स्मारक पर पुष्पांजलि के साथ जय श्री राम के नारे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में शिवाजी महाराज की ३९४वीं जयंती मनाई गई। समारोह बॉम्बे मार्केट के पास छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक स्थल में आयोजित किया गया था। जय शिवाजी, जय भवानी, जय श्री राम के नारों के साथ स्मारक पर फूल मालाएं चढ़ाई गईं। पूरा जश्न डीजे की धुन पर मनाया गया।

जय शिवाजी, जय भवानी और जय श्रीराम के नारों से गुंज उठा शहर

सूरत नगर निगम के मेयर और सत्तारूढ़ दल के नेता सहित स्मारक के ट्रस्टियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। ट्रस्टियों के मुताबिक शहर भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। शांतिपूर्ण माहौल में समारोह मनाने का आह्वान किया गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक पर माल्यर्पण करते गणमान्य

[illegible] है क्योंकि पूरे शहर में जगह-जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। जय शिवाजी, जय भवानी और जय श्रीराम के जय-जयकार हो रही है। लोगों में शिवाजी के गुणों को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सोती हुई प्रेमिका को प्रेमी ने जिंदा जलाया, कतारगाम में दिल दहला देने वाली घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कतारगाम इलाके में रविवार १८ फरवरी २०२४ की रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है। रात में जब प्रेमिका सो रही थी तो प्रेमी ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गंभीर रूप से जली प्रेमिका को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ५० वर्षीय राधा गटू जरपाड़ा कतारगाम में ललिता चौक के पास फुटपाथ पर अपने बेटे और बेटी के साथ रहती थीं। राधा का पति राजस्थान में रहता है। इसी बीच यहां राधा का शंभू नाम के युवक से प्रेम संबंध हो गया। शंभू भी राधा और उसके बच्चों के साथ फुटपाथ पर रहता था। बच्चे उन्हें शम्भू काका कहकर बुलाते थे।

रोजाना की तरह रविवार रात राधा अपने बच्चों के साथ फुटपाथ पर सोई थी। इसी बीच रात १.४५ बजे

जब सब सो रहे थे तभी मेरी मां को जला दिया- मृतक की बेटी

शंभू कहीं से पेट्रोल लेकर आया। शंभू ने अपनी सोती हुई प्रेमिका राधा पर पेट्रोल छिड़का और फिर दीपक जला दिया। आग लगते ही राधा चिल्ला उठी। पास में सो रहे बच्चे जाग गए और आसपास के लोगों की वहाँ भीड़ हो गई। राधा के शरीर की आग बुझने के बाद राधा को १०८ से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने तुरंत उसका इलाज शुरू कर दिया। गंभीर रूप से झुलसी राधा पूरी रात छटपटाती रही। सुबह ६.३० बजे उनका निधन हो गया। मां की मौत से बच्चे शोक में डूब गये।

मृतक राधा की बेटी मनीषा ने बताया कि जब हम सब सो रहे थे तभी शंभू आया और मेरी मां को जला दिया। फिर वह भाग गया, हमने पुलिस को बुलाया। मेरी मां को अस्पताल लाया गया,सुबह डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर

आरोपी को महादेव के मंदिर से पकड़ा गया

दिया। मनीषा ने आगे बताया कि उनके पिता पैतृक स्थान पर खेती का काम करते थे और वह अपनी मां के साथ सूरत में रहकर बढ़ई का काम करती थीं।शंभू को मेरी मां पर शक था कि वह किसी और से भी बात करती है और इसी बात को लेकर उसने उन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।

प्रेमिका को जलाने के बाद आरोपी प्रेमी शंभू पास के महादेव मंदिर में छिप गया। पुलिस ने महादेव मंदिर से शंभु को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। एसीपी एलबी झाला ने बताया, मृतक और आरोपी के बीच आठ साल से प्रेम संबंध था। दो दिन पहले राधा का किसी और से अफेयर होने के शक में झगड़ा भी हुआ था। आशंका है कि आरोपी ने आक्रोश में आकर यह कदम उठाया है और आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।